● वर्ष : 17 ● अंक : 211 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 22 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

पांच देशों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर स्वदेश लौटे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री को दो देशों से मिले सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुरुवार की सुबह पांच देशों की अपनी बेहद महत्वपूर्ण और व्यस्त राजनयिक यात्रा पूरी कर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली लौट आए हैं। 15 मई से शुरू होकर 20 मई तक चली इस छह दिवसीय कूटनीतिक यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा किया। यूएई से शुरू होकर इटली में समाप्त हुई इस यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई थीं। इस व्यापक दौरे का मुख्य रणनीतिक मकसद भारत के लिए दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, उच्च तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना और यूरोपीय तथा पश्चिम एशियाई साझेदारों के साथ देश के आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को एक नई ऊंचाई देना था। इस यात्रा के पहले पड़ाव में यूएई के साथ भारत ने एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करने के लिए कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी को भारत में कच्चे तेल के भंडारण की क्षमता को बढ़ाकर 30 मिलियन बैरल करने की अनुमति दी गई, जबकि यूएई ने भारत में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इसके बाद नीदरलैंड की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में रिकॉर्ड 17 द्विपक्षीय समझौतों पर मुहर लगी। प्रधानमंत्री ने जल प्रबंधन प्रणालियों को समझने के लिए वहां के प्रसिद्ध अफस्लूटडाइक बांध का भी दौरा किया। यात्रा के अगले चरण में स्वीडन दौरे के दौरान भारत और स्वीडन के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर उन्नत किया गया। प्रधानमंत्री ने वहां यूरोपियन राउंड टेबल फॉर इंडस्ट्री को संबोधित किया और उन्हें स्वीडन के प्रतिष्ठित सम्मान रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार से नवाजा गया। इसके बाद वे नॉर्वे पहुंचे, जो पिछले 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली ओस्लो यात्रा थी। वहां उन्होंने तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेकर ग्रीन टेक्नोलॉजी और एआई पर चर्चा की तथा उन्हें रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया।

विदेश यात्रा के दौरान वैश्विक नेताओं को पीएम ने दिए कला, विरासत और व्यंजनों से भरे उपहार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों- यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा पूरी करके स्वदेश लौट आए हैं। उन्होंने 15-20 मई तक की अपनी हालिया विदेश यात्राओं के दौरान वैश्विक नेताओं को भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत, शिल्प कौशल और पारंपरिक व्यंजनों को दर्शाने वाले अनूठे उपहार भेंट किए। ये उपहार न केवल भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते हैं बल्कि संबंधित देशों के साथ गहरे द्विपक्षीय एवं ऐतिहासिक संबंधों को भी रेखांकित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला को आगरा के कारीगरों द्वारा निर्मित संगमरमर की जड़ाई (पिएत्रा दुरा) का बक्सा भेंट किया। इसमें भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी और एमएस सुब्बुलक्ष्मी के गायन से जुड़ी सीडी है जबकि प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी को असम का मूगा रेशमी शॉल (अपनी प्राकृतिक सुनहरी चमक के लिए प्रसिद्ध भारत का "स्वर्ण रेशम") और शिरुई लिली सिल्क स्टोल (मणिपुर के दुर्लभ शिरुई लिली फूल से प्रेरित, जो इतालवी पुनर्जागरण कला में भी पवित्रता का प्रतीक है) भेंट की। नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर को जयपुर की ब्लू पॉटरी कलाकृतियां (जीआई टैग) भेंट की, जो क्वाट्र्ज पाउडर और कांच के मिश्रण से निर्मित पारंपरिक सिरेमिक कला, जो नीदरलैंड की 'डेल्फ़्ट ब्लू पॉटरी' के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव दर्शाती है। नीदरलैंड की रानी मैक्सिमा को मीनाकारी और कुंदन की बालियां उपहार में दीं। ये बालियां राजस्थान की शाही परंपरा से जुड़े जीवंत रंगों और सोने की पन्नी में जड़े रत्नों का आभूषण है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

कानून सबके लिए समान कहां है यह संवैधानिक सिद्धांत?

हाल के वर्षों में न्यायपालिका की निष्पक्षता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही को लेकर जितने गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संसद में सरकार ने जो जानकारी दी है, उसमें हजारों शिकायतें सरकार के पास भ्रष्टाचार की पंहुची हैं। उनमें पूर्व दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा का मामला सबसे अधिक चिंताजनक है। उनके आवास से करोड़ों रुपये के जले हुए नोट मिले, सुप्रीम कोर्ट की समिति ने जांच की, उन्हें इस्तीफा देने की सलाह दी गई, लेकिन उन्होंने पहले इस्तीफा नहीं दिया। बाद में उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया, जहां उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया।

अब उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है, किंतु उसके स्वीकार न होने तक वे अभी भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों की सूची में बने हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने भारतीय न्यायपालिका की जवाबदेही और भ्रष्टाचार की व्यवस्था पर गहरे प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हजारों शिकायतें प्राप्त होने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सरकार ने जो चुप्पी साध रखी है। कोई कार्यवाही नहीं की यह चिंता का विषय है। सबसे बड़ा सवाल यह है, यदि किसी न्यायाधीश पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हों। वह महाभियोग प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस्तीफा दे दे, तो क्या उसके विरुद्ध आगे कोई प्रभावी कार्रवाई संभव नहीं होती है। संविधान के अनुसार उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने का एकमात्र संवैधानिक तरीका संसद में महाभियोग ही है। यह प्रक्रिया इतनी जटिल और राजनीतिक सहमति पर आधारित है कि व्यवहार में शायद ही कभी पूरी हो पाती है।

ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश इस्तीफा दे देता है, तो महाभियोग स्वतः अप्रासंगिक हो जाता है। जब भ्रष्टाचार के आरोपों की शिकायत न्यायपालिका अथवा सरकार के पास जाती है। ऐसी स्थिति में आंतरिक जांच कराकर सरकार यदि राष्ट्रपति के माध्यम से उनकी सेवा समाप्त करके उनके ऊपर मुकदमा चला सकती है। सरकार नियुक्ति करती है। कदाचरण में उसके पास हटाने का अधिकार भी होता है।

यह तर्क भी सामने आ रहा है कि न्यायाधीशों को मिले संवैधानिक संरक्षण का उद्देश्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना था, न कि भ्रष्टाचार के आरोपों से सुरक्षा देना। न्यायाधीश संरक्षण कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों के कारण सेवानिवृत्ति लाभ, पेंशन और पद की गरिमा पर तत्काल प्रभाव डालना कठिन है। यही सुरक्षा जवाबदेही न्याय व्यवस्था को निष्प्रभावी बना दे, तो जनता का न्यायपालिका पर विश्वास कम या खत्म होना स्वाभाविक है। यशवंत वर्मा के मामले में अभी तक किसी आपराधिक प्राथमिकी या विस्तृत आपराधिक जांच की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

देश में तेजी से विकसित हो रहे ग्रीन एक्सप्रेस-वे के चलते सड़क यात्रा का स्वरूप बदला : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में तेजी से विकसित हो रहे ग्रीन एक्सप्रेस-वे और नियंत्रित प्रवेश वाले राजमार्गों के कारण सड़क यात्रा का स्वरूप पूरी तरह बदल रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे बनने के बाद दोनों शहरों के बीच विमान सेवाएं लगभग बंद हो गई थीं और अब दिल्ली-देहरादून तथा दिल्ली-जयपुर मार्ग पर भी ऐसी स्थिति बन रही है, क्योंकि सड़क मार्ग से यात्रा समय काफी कम हो गया है। नितिन गडकरी ने अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया (एमचैम) के वार्षिक नेतृत्व सम्मेलन में कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान, कौशल और सफल कार्यप्रणालियां ही भविष्य की अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान को संपत्ति में बदलना ही भविष्य का सबसे बड़ा आर्थिक मॉडल है और भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब परिपत्र अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से काम कर रहा है, जहां कचरे को संपदा में बदला जा रहा है। सड़क परिवहन मंत्रालय नगरों के पुराने ठोस कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में कर रहा है। अब तक 90 लाख टन से अधिक ठोस नगर कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बायो-बिटुमिन पर सफल अनुसंधान पूरा हो चुका है और अब पेट्रोलियम बिटुमिन में 30 प्रतिशत तक बायो-बिटुमिन मिलाया जा सकता है। इसके अलावा उपयोग किए जा चुके टायरों से प्राप्त 15 प्रतिशत रबर पाउडर और सात प्रतिशत प्लास्टिक का उपयोग भी सड़क निर्माण में किया जा रहा है।

सरकार का दावा- देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीज़ल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। सरकार ने कहा कि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड पर आधारित एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी बढ़कर लगभग 96 फीसदी हो गई है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में मौजूदा पश्चिम एशिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे पास कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त सप्लाई है। उन्होंने बताया कि देश की मांग को पूरा करने के लिए हमारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। इसके अलावा रिफाइनरियों में एलपीजी का उत्पादन भी बढ़ा दिया गया है, जबकि देश में लगभग 46-47 हजार टन एलपीजी का उत्पादन हो रहा है। सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। पिछले तीन दिनों में 1.32 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 1.34 करोड़ घरेलू एलपीजी सिलेंडर डिलीवर किए गए। इनमें से 96 फीसदी डिलीवरी डीएसी कोड का इस्तेमाल करके पूरी की गईं। 1 मई से अब तक कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 13,32,000 टन रही है, जबकि पिछले तीन दिनों में 23,588 टन एलपीजी बेची गई। संयुक्त सचिव ने बताया कि ऑटो एलपीजी की बिक्री 963 टन रही है, और लगभग 18.87 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बेचे गए हैं।

पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड हमज़ा बुरहान मुजफ्फराबाद में मारा गया

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड हमज़ा बुरहान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में मारा गया। उसे कई गोलियां लगीं। हमले के बाद उसके साथियों ने उसे तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 27 साल का हमज़ा बुरहान भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-बद्र से जुड़ा था। उसका पूरा नाम अरजुमंद गुलजार डार था, जिसे उसके सर्किल में 'डॉक्टर' के नाम से भी जाना जाता था। पुलवामा के रत्नीपुरा इलाके के ग्राम खरबतपोरा में पैदा हुआ हमज़ा 2017 में उच्च शिक्षा के बहाने पाकिस्तान चला गया था। बाद में वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-बद्र में शामिल हो गया और आखिरकार कमांडर के रैंक तक पहुंच गया। वह कश्मीर घाटी में कई आतंकी हमलों में शामिल था। हमज़ा 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। उसे पीओके मुजफ्फराबाद में अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया। हमलावरों ने मुजफ्फराबाद स्थित एआईएमएस कॉलेज के बाहर उस पर ताबड़तोड़ फायरिं की जिसमें वह गिर पड़ा। गौरतलब है कि हमजा की मदद से आतंकियों ने पुलवामा के लाथपोरा में श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान बलिदान हो गए थे। इस घटना के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए थे, वहीं भारत ने पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे।

एआई से स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांति संभव, लेकिन नियमन और नैतिकता जरूरी : जेपी नड्डा

लोकतंत्र की शान। नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य सभा के 79वें सत्र के दौरान आयोजित कार्यक्रम स्वास्थ्य के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ताः कानून, नैतिक निगरानी, शोध और समानता में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि एआई स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने की क्षमता रखता है, लेकिन इसके लाभ हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए इसे सुदृढ़ नियमन, कठोर शोध, नैतिक निगरानी और समानता की प्रतिबद्धता से संचालित करना होगा। बैठक में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत सुरक्षित, पारदर्शी और जनकेंद्रित स्वास्थ्य एआई ढांचे को आगे बढ़ा रहा है। नड्डा ने कहा कि साल 2015 में शुरू की गई डिजिटल इंडिया पहल ने भारत को भविष्य की तकनीकों, विशेषकर एआई, के लिए तैयार किया। साल 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति ने एकीकृत और समावेशी डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र की परिकल्पना की थी, जिसे 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और सहमति आधारित डिजिटल स्वास्थ्य डेटा ढांचे के जरिए आगे बढ़ाया गया। उन्होंने फरवरी 2026 में शुरू की गई स्ट्रेटेजी फॉर एआई इन हेल्थकेयर फॉर इंडिया (साही) का जिक्र करते हुए कहा कि यह ग्लोबल साउथ से उभरने वाली पहली व्यापक रणनीति है, जो भारत की स्वास्थ्य यात्रा को नैतिक, पारदर्शी और जनकेंद्रित तरीके से मार्गदर्शन देती है। भारत ने बेंचमार्किंग ओपन डेटा प्लेटफॉर्म फॉर हेल्थ (बोध) एआई भी विकसित किया है, जिससे एआई समाधान वास्तविक डेटा पर आधारित होकर सुरक्षित और समान रूप से सभी नागरिकों के लिए उपयोगी बन सकें। उन्होंने कहा कि एआई की चुनौतियों और अवसरों का सामना कोई भी देश अकेले नहीं कर सकता। भारत विश्व के साझेदारों के साथ मिलकर विश्वसनीय और इंटरऑपरेबल स्वास्थ्य डेटा तंत्र को मजबूत करेगा, सहयोगी शोध को बढ़ावा देगा, नैतिक एआई विकास को आगे ले जाएगा और साझा स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करेगा। नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई का भविष्य केवल एल्गोरिद्म से नहीं बल्कि सरकारों, संस्थाओं और समाजों के सामूहिक निर्णयों से तय होगा।

गडकरी ने उत्तर प्रदेश के 11,672 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और रखरखाव की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश में 11,672 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और रखरखाव के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गडकरी ने समयबद्ध क्रियान्वयन, गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन और उन्नत तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि मीडिया और सोशल मीडिया से प्राप्त फीडबैक के आधार पर गुरुवार को यहां आयोजित समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा सहित एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल, सड़क परिवहन मंत्रालय और परियोजना ठेकेदार शामिल हुए। गडकरी ने बैठक में समयबद्ध क्रियान्वयन, गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन और उन्नत तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया ताकि राजमार्ग ढांचा टिकाऊ और कुशल बने। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाने, आर्थिक विकास को गति देने और यात्रियों की सुविधा सुधारने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मानसून की तैयारियों को व्यापक रूप से सुनिश्चित किया जाए।

इबोला वायरस को लेकर भारत सरकार ने किया अलर्ट

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अफ्रीका में फैले इबोला वायरस को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में फैले इबोला को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किए जाने के बाद भारत सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीएचएस ने सभी इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स को एडवाइजरी भेजी है खासकर उन यात्रियों के लिए जो डीआर कांगो, युगांडा और साउथ सूडान जैसे हाई रिस्क देशों से आ रहे हैं। एडवाइजरी में कहा है कि अगर किसी यात्री में बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, उल्टी-दस्त, गले में खराश या खून बहने जैसे लक्षण हैं तो उसे इमिग्रेशन से पहले ही एयरपोर्ट हेल्थ ऑफिसर को रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत में फिलहाल इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और देश के लिए वर्तमान खतरा बेहद कम है। हालांकि सावधानी के तौर पर निगरानी और तैयारियों को और मजबूत किया जा रहा है।

रेल यात्रियों से सतर्क व सजग रहने की अपील, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना 139 पर दें : रेलवे

लोकतंत्र की शान। नई दिल्ली

हाल के दिनों में रेलवे को निशाना बनाने वाली घटनाओं के मद्देनजर रेल मंत्रालय ने यात्रियों से यात्रा के दौरान सतर्क और सजग रहने की अपील की है। रेलवे ने कहा है कि स्टेशन परिसर या ट्रेनों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें, ताकि असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यहां रेल भवन में रेलवे सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में रेलवे राज्यमंत्री वी. सोमन्ना, रवनीत सिंह बिट्टू तथा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार सहित देशभर के फील्ड अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में बताया गया कि ट्रेनों, यात्रियों, स्टेशन परिसरों और विशाल रेल नेटवर्क की सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, सीसीटीवी और अन्य आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग कर रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के स्तर पर खुफिया तंत्र को मजबूत करते हुए मिशन मोड में यह अभियान चलाया जा रहा है। समीक्षा बैठक के दौरान हाल के कुछ अग्निकांडों सहित कई घटनाओं की प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता सामने आने की जानकारी दी गई। रेलवे ने इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कहा कि आरपीएफ सक्रिय रूप से जांच कर रही है। कई मामलों में रेलवे की त्वरित और सक्रिय कार्रवाई से बड़ी घटनाओं को टालने में सफलता मिली। बैठक में फील्ड स्तर से खुफिया जानकारी जुटाने की प्रणाली को और मजबूत बनाने, रिपोर्टिंग तंत्र में सुधार करने तथा तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था को विस्तार देने पर जोर दिया गया।

राजनाथ सिंह ने सियोल के इमजिनगैक पार्क में भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया

लोकतंत्र की शान। नई दिल्ली

कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बनाया गया है यह स्मारक

दक्षिण कोरिया की यात्रा के आखिरी दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सियोल के इमजिनगैक पार्क में भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और मानवीय सहायता के क्षेत्र में भारत के अमिट योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का साझा इतिहास और बलिदान भारत-कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी की मजबूत नींव बने हुए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री क्वोन ओह-यूल भी भारतीय युद्ध स्मारक के उद्घाटन में शामिल हुए। यह स्मारक कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बनाया गया है, ताकि युद्ध के दौरान भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस और कस्टोडियन फोर्स ऑफ इंडिया (सीएफआई) के साहस, बलिदान और मानवीय सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित की जा सके। दोनों मंत्रियों ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके उन बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिनकी सेवा को कोरिया गणराज्य के लोग आज भी गहरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद करते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों की भूमिका को याद करने से लोगों के बीच आपसी समझ मजबूत होते हैं और दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों पर नए सिरे से ध्यान जाता है। स्मारक की स्थापना में बहुमूल्य सहयोग के लिए उन्होंने कोरिया गणराज्य की सरकार, विशेष रूप से पूर्व सैनिक मामलों के मंत्रालय के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री ने कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की भूमिका की सराहना की। कोरियाई युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों को सम्मानित करने और उनके बीच आदान-प्रदान को मजबूत करने के उद्देश्य से दोनों मंत्रियों ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सैनिकों के निःस्वार्थ बलिदान की स्मृति में एक संस्मरण भी जारी किया गया।

निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू नहीं होंगे एसएमसी दिशानिर्देश 2026 : शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) दिशानिर्देश 2026 को लेकर समाज के कुछ वर्गों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर गुरुवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि ये दिशानिर्देश शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम की धारा 2(एन)(4) के तहत आने वाले निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू नहीं होंगे, बशर्ते ऐसे संस्थानों को अपने खर्चों के लिए केंद्र, राज्य सरकार या स्थानीय निकाय से किसी प्रकार की सहायता या अनुदान प्राप्त न हो। मंत्रालय ने हालांकि कहा कि ऐसे निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को पारदर्शिता, जवाबदेही और सहभागितापूर्ण प्रशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूल प्रबंधन समितियों का गठन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें स्कूलों, अभिभावकों और समुदाय की भी समान भागीदारी होती है। मंत्रालय के अनुसार, अभिभावकों, स्कूलों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत करना स्कूलों के समग्र संचालन को बेहतर बनाने और बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

दिल्ली में राशन कार्ड की पात्रता के लिए परिवार की आय सीमा बढ़ाने का एलान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राशन कार्ड की पात्रता के लिए परिवार की आय सीमा को 1.20 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये प्रति वर्ष करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पात्र लोगों को ही राशन मिले। इस दिशा में दिल्ली सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि 7 लाख 71 हजार 384 अपात्रों के राशन कार्ड रद्द कर दिया गया है। इसमें 1 लाख 44 हजार लोग आय सीमा से अधिक, 35,800 लोगों ने एक साल से राशन नहीं लिया, 29,580 मौत हो चुकी है और 23,394 डुप्लीकेट शामिल है।उन्होंने कहा कि 15 मई से नए राशन कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो चुके हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और बायोमेट्रिक आधारित होगी। इसके लिए आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, परिवार की आय का प्रमाण पत्र और सदस्यों का विवरण जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि राशन वितरण भी बायोमेट्रिक तरीके से किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और सही व्यक्ति तक पूरा राशन पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से दिल्ली के लाखों गरीब लोगों को नए राशन कार्ड बनवाने का अवसर नहीं दिया गया। वे सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाते रहे और अधिकारियों एवं नेताओं से गुहार लगाते रहे, फिर भी उनके राशन कार्ड जारी नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद हमने जो पहला कदम उठाया, वह राशन व्यवस्था का व्यापक ऑडिट कराना था। ऑडिट के बाद 7 लाख 71 हजार 384 अपात्र लाभार्थियों के नाम राशन सूची से हटाए गए हैं।

गोविंदपुरी में मां-बेटे की चाकू से हत्या, नकदी और जेवर गायब

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में गुरुवार तड़के मां-बेटे की हत्या से सनसनी फैल गई। बदमाशों ने घर में घुसकर 38 वर्षीय महिला और उसके 13 वर्षीय बेटे की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद घर से नकदी और जेवर भी गायब मिले हैं। पुलिस लूटपाट के बाद हत्या की आशंका के तहत मामले की जांच कर रही है।दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार, आज तड़के करीब 1:11 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से गोविंदपुरी थाना पुलिस को गली नंबर-10, कालकाजी स्थित एक मकान में हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, थाना प्रभारी, सहायक पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता विष्णु साहू साप्ताहिक बाजारों में फल और सब्जी बेचने का काम करते हैं। वह बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे घर लौटे थे। उन्होंने देखा कि मकान का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। अंदर पहुंचने पर उनकी पत्नी शारदा साहू और 13 वर्षीय बेटे का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। दोनों के शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। मृतक बेटा सातवीं कक्षा का छात्र था। पुलिस जांच में घर की अलमारी से नकदी और जेवर गायब पाए गए हैं। इसके बाद पुलिस को आशंका है कि बदमाश लूटपाट के इरादे से घर में घुसे थे और विरोध करने पर मां-बेटे की हत्या कर दी। घटनास्थल पर अपराध जांच दल और विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

दिल्ली में लू का कहर, दो लोग अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली में अत्यधिक गर्मी और लू के चलते दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों मरीजों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पहला मामला बुधवार देर रात सामने आया। राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डॉ. अजय चौहान ने बताया कि रात 1:45 बजे एक 24 वर्षीय छात्र को हीट स्ट्रोक के लक्षणों के साथ अस्पताल लाया गया। यह युवक पश्चिम बंगाल का रहने वाला है और ट्रेन से यात्रा कर रहा था। उसे उल्टियां, दस्त और अत्यधिक थकावट की शिकायत हुई थी। अस्पताल में तुरंत इमर्शन कूलिंग की प्रक्रिया अपनाई गई और उसे भर्ती कर लिया गया। फिलहाल मरीज की हालत गंभीर है और उसका इलाज जारी है। दूसरा मामला गुरुवार सुबह 10:45 बजे दर्ज हुआ। लगभग 50 वर्षीय एक व्यक्ति को पुलिस बेहोशी की हालत में अस्पताल लेकर आई। उसका शरीर का तापमान बहुत अधिक था। डॉक्टरों ने तुरंत उसे सांस की नली में ट्यूब डालकर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा और बर्फ के ठंडे पानी में डुबोकर ठंडा करने प्रक्रिया शुरू की। उसकी हालत भी नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों ने बताया कि मरीज के पते और अन्य बीमारियों की जानकारी नहीं मिल सकी है क्योंकि उसके साथ कोई परिजन मौजूद नहीं था।

डीआरआई ने 120 करोड़ मूल्य की तीन लाख ई-सिगरेट/वेप्स जब्त कीं

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में ई-सिगरेट की तस्करी करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 120 करोड़ रुपये मूल्य की तीन लाख ई-सिगरेट/वेप्स जब्त की हैं। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि डीआरआई ने प्रतिबंधित निकोटिन उत्पादों के अवैध आयात के विरूद्ध एक बड़ी कार्रवाई में पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल के कई बंदरगाहों, हवाई अड्डों और आईसीडी (सूचना नियंत्रण केंद्र) में चलाए गए अपने अभियानों में व्यापक स्तर पर ई-सिगरेट (वेप) तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मंत्रालय के मुताबिक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई ने सीमा शुल्क जांच से बचने के लिए गलत तरीके से घोषित किए गए कई संदिग्ध आयात खेपों की पहचान की, उन पर नजर रखी और उन्हें जब्त किया। विस्तृत जांच के परिणामस्वरूप विभिन्न ब्रांडों, स्वादों और विशिष्टताओं की लगभग तीन लाख इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट/वेप्स जब्त की गई, जिनकी कीमत 120 करोड़ रुपये से अधिक है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने राघव चड्ढा के व्यक्तित्व अधिकार मामले में फैसला सुरक्षित रखा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में गए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के व्यक्तित्व के अधिकारों के संरक्षण की मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने राघव चड्ढा से कहा कि आपके राजनीतिक फैसले की आलोचना करना आपके व्यक्तित्व के अधिकारों का उल्लंघन नहीं हो सकता। आप इसके लिए मानहानि याचिका दायर कर सकते हैं। राघव चड्ढा ने अपने व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। राघव चड्ढा ने अपनी याचिका में कहा है कि एआई और डीपफेक तकनीक का उपयोग कर उनकी तस्वीरों और वीडियो अनधिकृत रूप से इस्तेमाल किए जा रहे हैं। उनके मॉर्फ किए हुए चेहरे का इस्तेमाल उनके कथित भाषणों के लिए किया जा रहा है।इसके पहले उच्च न्यायालय कई नामचीन हस्तियों के व्यक्तित्व के अधिकारों की रक्षा का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता शशि थरूर, अभिनेता अर्जुन कपूर, तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन, कथावाचक अनिरुद्धाचार्य, मलयालम फिल्म अभिनेता मोहनलाल, भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व सांसद गौतम गंभीर, पतंजलि आयुर्वेद के आचार्य बालकृष्ण, फिल्म अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, बाबा रामदेव, फिल्म अभिनेत्री काजोल, फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय, आंध्रप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, फिल्म अभिनेता सलमान खान, अभिनेता अजय देवगण, अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन, पत्रकार सुधीर चौधरी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रविशंकर, तेलुगु अभिनेता नागार्जुन, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और फिल्म प्रोड्यूसर करण जौहर के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं करने का आदेश दिया था।

टीबी मुक्त भारत के लिए देश में चल रहा दुनिया का सबसे बड़ा जांच अभियान : नड्डा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान एक कार्यक्रम में कहा कि समय पर जांच, शीघ्र निदान और उपचार तक समान पहुंच ही मजबूत और जनकेंद्रित स्वास्थ्य तंत्र की नींव है। उन्होंने कहा कि फेफड़ों की जांच केवल तकनीक या उपकरणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन बचाने, पीड़ा कम करने और स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ करने से जुड़ा है। केंद्रीय स्वाथ्य मंत्री जेपी नड्डा यहां विश्व स्वास्थ्य सभा के 79वें सत्र के दौरान आयोजित कार्यक्रम 'मंत्रीय दृष्टिकोण : फेफड़ों की स्वास्थ्य जांच' में शामिल हुए। यह कार्यक्रम स्टॉप टीबी पार्टनरशिप की ओर से आयोजित किया गया था और इसमें भारत, जापान, फिलीपींस तथा जाम्बिया सह-आयोजक हैं।नड्डा ने कहा कि भारत ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम और टीबी मुक्त भारत के विजन के तहत दुनिया के सबसे बड़े जांच और शीघ्र पहचान अभियान को अंजाम दिया है। घर-घर जाकर जांच, मोबाइल जांच दल, सामुदायिक अभियान और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि भारत ने आधुनिक जांच तकनीकों का बड़े पैमाने पर विस्तार किया है। इसमें मॉलिक्यूलर टेस्टिंग प्लेटफॉर्म, डिजिटल चेस्ट एक्स-रे सेवाएं, एआई आधारित व्याख्या उपकरण, हैंडहेल्ड स्क्रीनिंग डिवाइस और विकेन्द्रीकृत जांच प्रणाली शामिल हैं। इनका उद्देश्य विशेषकर दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में निदान में होने वाली देरी को कम करना है।उन्होंने कहा कि केवल निदान पर्याप्त नहीं है, बल्कि पोषण सहायता, उपचार अनुपालन, सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक सहयोग भी जरूरी है। टीबी मुक्त भारत अभियान के माध्यम से नागरिकों, संस्थानों, कॉरपोरेट जगत और समुदायों को टीबी रोगियों और उनके परिवारों की मदद के लिए जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत ऐप में खुशी नामक एआई आधारित बहुभाषी चैटबॉट शामिल है, जो लक्षणों, अधिकारों और निकटतम जांच केंद्रों की जानकारी वास्तविक समय में उपलब्ध कराता है।केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि कोई भी देश अकेले फेफड़ों की जांच और टीबी उन्मूलन की चुनौतियों का सामना नहीं कर सकता। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं में फेफड़ों की जांच को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज ढांचे में शामिल करने, सस्ती जांच तकनीकों तक पहुंच बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने, नवाचार और घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने तथा सतत वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

आरोपित की सहमति पर ही अदालतें कर सकती हैं देशद्रोह से जुड़े मामलों की सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अगर आरोपित को आपत्ति नहीं हो, तो अदालतें देशद्रोह से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए से जुड़े मामलों की सुनवाई कर सकती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने देशद्रोह से संबंधित एक मामले में 17 वर्षों से जेल में बंद एक आरोपित की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बातें कही।कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की शिकायत है कि उसकी आपराधिक अपील की पूरी सुनवाई की जाए, जिसमें धारा 124ए के तहत आरोप शामिल हों, तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी। कोर्ट ने साफ किया कि जहां भी आरोपित को मुकदमे, अपील या किसी अन्य कार्यवाही के खिलाफ कोई आपत्ति नहीं है, जिसमें उस पर धारा 124ए के तहत चार्जशीट दाखिल की गई है, तो कोर्ट को ऐसे मामलों में गुण-दोष के आधार पर सुनवाई करनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने 11 मई, 2022 को राजद्रोह के कानून पर केंद्र को कानून की समीक्षा की अनुमति दे दी थी। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच ने राजद्रोह के तहत नए केस दर्ज करने पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी पर केस दर्ज हो, तो निचली अदालत से राहत की मांग करे। कोर्ट ने लंबित मामलों में कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जेल में बंद लोग निचली अदालत में जमानत याचिका दाखिल करें।

उत्तर प्रदेश के 52 पैरा-एथलीट्स को पैरा एथलीट्स फेलिसिटेशन समारोह 2026 में सम्मानित किया गया

लोकतंत्र की शान

गाजियाबाद : दृढ़ संकल्प और खेल उत्कृष्टता के उत्सव के रूप में, उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 52 पैरा एथलीट्स को खेल के प्रति उनके योगदान के लिए आज यहां होटल वेस्ट व्यू , गाजियाबाद में आयोजित भव्य "पैरा एथलीट्स फेलिसिटेशन समारोह 2026" में सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं बीएल एग्रो ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कुमार कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जे.पी. सिंह (आईआरएस), चेयरमैन पैरा पावरलिफ्टिंग, तथा आशीष खंडेलवाल, अध्यक्ष (यू.पी. पैरा एथलेटिक्स एसोसिएशन) एवं प्रबंध निदेशक (बीएल अर्गो ग्रुप) भी उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में अरुण स्वामी, उपाध्यक्ष, यू.पी. पैरा एथलेटिक्स एसोसिएशन; अर्जुन वीरवाल, अध्यक्ष, गाजियाबाद पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन; सत्या यादव, चेयरमैन, गाजियाबाद पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन; बल कृष्ण (आईआरएस), संरक्षक, गाजियाबाद पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन; तथा मोनू कुमार, महासचिव, गाजियाबाद पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 150 अतिथियों ने भाग लिया। इस सम्मान समारोह में राष्ट्रीय स्तर के पैरा एथलीट्स एवं पैरा पावरलिफ्टर्स के दो विशिष्ट समूहों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए प्रमुख खिलाड़ियों में राव सुहैल (अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर), जैनब खातून (एशियन मेडलिस्ट), प्रियांशु कौशिक, राम रतन सिंह, अनुभव चौधरी, दीपिका रानी एवं अनमोल वशिष्ठ शामिल रहे। हॉल का माहौल उत्साह से भर गया जब प्रत्येक खिलाड़ी का नाम पुकारा गया। कई खिलाड़ी अपने परिवारजनों और कोचों के साथ उपस्थित थे, जिन्होंने वर्षों के प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के दौरान उनका निरंतर साथ दिया। प्रत्येक खिलाड़ी को एक ट्रैकसूट, स्मृति चिह्न टी-शर्ट एवं डाइट पोर्शन ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

'हाथरस 16 डेज' डॉक्यूमेंट्री ने खोली सिस्टम की पोल, सामूहिक दुष्कर्म के दोषियों को बचाने में शामिल थी भाजपा सरकार- महिला कांग्रेस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: कांग्रेस ने कहा है कि वर्ष 2020 में हुए उत्तर प्रदेश के चर्चित हाथरस सामूहिक दुष्कर्म मामले पर बनी नई क्राइम डॉक्यूमेंट्री 'हाथरस 16 डेज' से यह स्पष्ट होता है कि दोषियों को बचाने में भाजपा सरकार और पूरा सरकारी तंत्र शामिल था। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने मांग की कि डॉक्यूमेंट्री में सामने आए नए तथ्यों और बयानों के आधार पर मामले की दोबारा से जांच की जाए। साक्ष्यों को नष्ट करने और लापरवाही बरतने वाले तत्कालीन एसपी, डीएम व पुलिसकर्मियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। डॉक्यूमेंट्री के कुछ मुख्य अंश और वीडियो साक्ष्यों को दिखाते हुए अलका लांबा ने कहा कि इस मामले में पूरा सिस्टम शामिल था, ताकि दलित पीड़िता को न्याय न मिल सके। डॉक्यूमेंट्री में दिखाए गए स्त्री रोग विशेषज्ञ के बयान का जिक्र करते हुए लांबा ने कहा कि डॉक्टर खुद स्वीकार कर रही हैं कि पीड़िता को अस्पताल लाने से पहले ही सबूतों को नष्ट करने के उद्देश्य से उसे नहला-धुलाकर साफ कर दिया गया था। इसके बावजूद डॉक्टर को पूरा विश्वास था कि जांच में सच सामने आएगा। लांबा ने कहा कि बच्ची ने मरने से पहले यह बयान दिया था कि उसके साथ गलत हुआ है, लेकिन उसके बयान को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों को बचाने में सरकार और पुलिस ने पूरी मदद की; बच्ची के साथ अपराध होने के आठ दिन बाद सबूत जुटाए गए और कपड़ों समेत जरूरी साक्ष्य समय पर एकत्र नहीं किए गए। कई महत्वपूर्ण साक्ष्य अदालत में पेश नहीं किए गए, जो आरोपियों को फांसी के तख्ते तक पहुंचा सकते थे।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली हिंसा की साजिश रचने के आरोपित सलीम मलिक को जमानत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा की साजिश रचने के आरोपित सलीम मलिक को जमानत दे दी है। जस्टिस प्रतिभा सिंह की बेंच ने सलीम मलिक को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सलीम मलिक की ओर से पेश वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता दूसरे सह-आरोपितों को मिली जमानत के आधार पर समानता का हकदार है। इस मामले में 5 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने पांच आरोपितों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दी थी। हालांकि, इसी फैसले में दो आरोपितों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं दी थी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 29 जनवरी को सलीम मलिक की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सलीम मलिक ने कड़कड़डूमा कोर्ट के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। सलीम मलिक पर आरोप है कि वो नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ चांदबाग में हुए विरोध प्रदर्शनों का मुख्य आयोजनकर्ता था। चांदबाग में सबसे पहले हिंसा शुरु हुई थी। चांदबाग में ही हेड कांस्टेबल रतन लाल पर हमला किया गया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। सुनवाई के दौरान सलीम मलिक की ओर से पेश वकील ने कहा था कि आरोपित को हिंसा की साजिश रचने के मामले में मंडोली जेल से 25 जून 2020 को गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ वही आरोप थे, जिनमें वह पहले से जेल में बंद था। उन्होंने कहा कि सलीम मलिक न तो सह-साजिशकर्ता है और न ही सूत्रधार। उसके खिलाफ लगे आरोप दूसरे आरोपितों की तरह गंभीर नहीं है।

15वें दिल्ली इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का भव्य 'पोस्ट-फेस्टिवल अवॉर्ड समारोह' संपन्न

- ईरान, अल्जीरिया, बुल्गारिया और लातविया जैसे देशों की फिल्मों ने वैश्विक कूटनीति के मंच पर चौंकाया
- दिल्ली में सजा सिनेमा का वैश्विक मंच, 51 देशों की फिल्मों ने जीता दिल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) में कला, कूटनीति और वैश्विक कहानियों के संगम के साथ 15वें दिल्ली इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (DIFF) के अंतर्गत एक बेहद भव्य और विशेष 'पोस्ट-फेस्टिवल अवॉर्ड इवेंट' का सफल आयोजन किया गया। संस्कृति मंत्रालय के सहयोग और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) की विशेष साझेदारी के साथ आयोजित इस महोत्सव ने 51 देशों की 178 फिल्मों के माध्यम से विश्व सिनेमा को एक नया मंच प्रदान किया। इस भव्य समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण यह रहा कि स्थापित सिनेमाई देशों के बीच ईरान, अल्जीरिया, बुल्गारिया और लातविया जैसे देशों की फिल्मों ने अपनी बेहतरीन कहानियों, संवेदनशील सामाजिक विषयों और उच्च तकनीकी स्तर से हर किसी को चौंका दिया और मुख्य पुरस्कारों पर अपना कब्जा जमाया। पुरस्कारों के वितरण में लघु फिल्म खंड के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अप्रत्याशित और चौंकाने वाली प्रतिभाएं सामने आईं, जिसमें प्रतिभाशाली फिल्म निर्देशक यूसुफ बेन घानेम द्वारा निर्देशित अल्जीरियाई शॉर्ट फिल्म 'दामू की' ने अपनी गहरी कहानी से सबको चौंकाया और फिल्म को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। इस सम्मान को अल्जीरिया के महामहिम राजदूत अली अचौई, प्रथम सचिव अब्देलली बुइलोटा, अताशे अब्देसेलम बेनारबा और श्रीमती अस्मा बेनारबा ने मंच पर ग्रहण किया। वहीं निर्देशक हुसैन फिरूज़ेह की बहुचर्चित कूर्दिश-फारसी फिल्म 'हैप्पी एंड' को सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार मिला, जिसे ईरानी दूतावास के द्वितीय सचिव मिस्टर ओमिद बाबेलियन ने स्वीकार किया। इसके साथ ही हिंदी शॉर्ट फिल्म 'गैया' के लिए निर्देशक अभय कपूर के काम को सराहा गया, जिसे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के मीडिया कंट्रोलर अनुराग पुनेठा जी की गरिमामयी उपस्थिति में विशेष प्रोत्साहन मिला।

अधिकांश राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में रिकॉर्ड्स ऑफ राइट्स के डिजिटलीकरण का कार्य पूराः डीओएलआर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) के सचिव नरेन्द्र भूषण ने गुरुवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका के नेतृत्व में एडीबी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। बैठक में सचिव नरेन्द्र भूषण ने कहा कि कुशल भूमि प्रशासन और भूमि संसाधनों का अधिकतम उपयोग आर्थिक विकास को गति देने, भूमि संपत्तियों के मूल्य को उजागर करने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में रिकॉर्ड्स ऑफ राइट्स का डिजिटलीकरण लगभग पूर्ण हो चुका है, जबकि देशभर में लिखित भूमि अभिलेखों को जमाबंदी नक्शों से जोड़ने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की गई हैं। विभाग कार्यक्रम के अगले चरण डीआईएलआरएमपी 3.0 लागू करने की प्रक्रिया में है, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी उपाय, भूमि अभिलेखों के गतिशील अद्यतन और भूमि संबंधी डेटाबेस के बेहतर एकीकरण के माध्यम से भूमि शासन प्रणालियों को और सुदृढ़ करना है। सचिव ने देशभर में भूमि पार्सलों को विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या (यूएलपीआईएन) के आवंटन में हुई प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि भारत में लगभग 66 प्रतिशत कृषि भूमि पार्सलों के लिए यूएलपीआईएन जारी किए जा चुके हैं। भूषण ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) की अगली परत के रूप में एक व्यापक "लैंड स्टैक" विकसित करने के विभाग के विजन को साझा किया, जिसमें भूमि अभिलेख, पंजीकरण, म्यूटेशन, भूमि उपयोग और अन्य संबंधित सेवाओं को अंतरसंचालनीय डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से एकीकृत करके बेहतर शासन और सेवा वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। जलसंभर विकास के विषय पर सचिव ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के लिए जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ भूमि एवं जल प्रबंधन पद्धतियों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने देशभर में जलसंभर विकास पहलों को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए नवीन वित्तपोषण मॉडल, प्रौद्योगिकी उपाय और संयोजन-आधारित दृष्टिकोणों की आवश्यकता पर बल दिया।मियो ओका ने सचिव को भारत में विभिन्न क्षेत्रों में एशियाई विकास बैंक द्वारा समर्थित विभिन्न पहलों और परियोजनाओं तथा राज्य सरकारों के साथ जारी सहयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल कृषि, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, जलसंभर प्रबंधन और संस्थागत क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में एडीबी के कार्यों पर प्रकाश डाला और आपसी हित के क्षेत्रों में भूमि संसाधन विभाग के साथ सहयोग करने में एडीबी की गहरी रुचि व्यक्त की।इस बैठक में अपर सचिव आर आनंद, संयुक्त सचिव पी. नरहरि, संयुक्त सचिव नितिन खाडे, आर्थिक सलाहकार पीके अब्दुल करीम और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

महापौर ने आम आदमी पार्टी के बयानों को बताया झूठा और आधारहीन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग द्वारा एमसीडी के 48 स्कूलों को बंद करके उसमें आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाने के आरोपों को झूठा और आधारहीन बताया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) ने हमेशा ही झूठ फैलाने का काम किया है। महापौर प्रवेश वाही ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता अंकुश नारंग के बयानों की निंदा करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार या नगर निगम किसी भी सरकारी स्कूल को आयुष्मान आरोग्य मंदिर नहीं बना रही और ना ही किसी स्कूल को एक साथ मिला रही है।उन्होंने कहा कि आआपा जिन स्कूलों की बात कर रही है वह काफी समय से खाली थे या फिर वह बिल्डिंग जर्जर हालत में थी उन पर यह काम किया जाएगा, न की किसी भी चलते हुए स्कूल को बंद कर के आरोग्य मंदिर बनाया जाएगा।महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि निगम का लक्ष्य है कि सभी बच्चों को प्राथमिक शिक्षा दी जाए तो एमसीडी किसी भी स्कूल को क्यों आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बदलेगी। शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अंकुश नारंग के आरोपो को झूठ और आधारहीन बताया। उन्होंने कहा कि आआपा का काम है कि वह झूठ की राजनीति करती है।योगेश सिंह ने कहा कि आआपा को शिक्षा और बच्चों के साथ ऐसा मजाक नहीं करना चाहिए क्योंकि दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं और दिल्ली की जनता को जिस प्रकार की शिक्षा देना चाहते हैं उसी प्रकार से स्वस्थ रखने का काम भी करेंगे। उन्होंने कहा कि निगम ने खाली जमीनों पर ही आरोग्य मंदिर बनाने का काम किया है।वर्मा ने कहा कि एमसीडी ने आआपा की तरह दिल्ली की सड़कों का उपयोग करके जनता को परेशान करने का काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आआपा की तरह सिर्फ फोटो खिंचवाने का काम नहीं करती। मोहल्ला क्लिनिक में कभी भी कोई स्वास्थ्य कर्मी नही रहें, लेकिन दिल्ली सरकार के साथ मिलकर के निगम दिल्ली की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए दिन रात कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश के रामपुर से दिल दहला देने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक ही गोली ने पति-पत्नी की जिंदगी छीन ली

नेहा रस्तोगी मृतक पत्नी

नेहा रस्तोगी मृतक पति

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा , बताया जा रहा है कि कारोबारी अपनी लाइसेंसी राइफल साफ कर रहा था, तभी अचानक गोली चल गई। गोली पहले कारोबारी के गले को चीरती हुई पीछे खड़ी उसकी पत्नी की गर्दन के पार निकल गई। हादसा इतना भयावह था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की तेज आवाज सुनकर बेटा और बेटी छत की ओर दौड़े, जहां खून से लथपथ मां-बाप के शव पड़े देख उनके होश उड़ गए। घटना के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। शुरुआती जांच के बाद सीओ देवकी नंदन ने बताया कि राइफल साफ करते समय अचानक फायर हुआ। राइफल से केवल एक ही राउंड चला, जिसने पति-पत्नी दोनों की जान ले ली। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है कि यह हादसा था या इसके पीछे कोई और वजह इस घटना का जल्द खुलासा होगा

कूमल लगाकर शाहपुर खुर्द में दो घरों से लाखों का माल चोरी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर खुर्द में बीती रात दो घरों में लाखों रुपए के माल पर अज्ञात चोरों ने सोने चांदी के जेवर और नदी पर हाथ साफ किया, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है, जानकारी के अनुसार ग्राम शाहपुर खुर्द निवासी धर्मवीर पुत्र रतन सिंह का मकान गांव के बाहरी छोर पर है उसके पास ही उनके बेटे अशोक का भी घर है, घटना के समय पूरा परिवार रात में खाना खाकर सो गया था देर रात अज्ञात चोरों ने दोनों घरों की पीछे की दीवार में नकाब लगा दिया और अंदर दाखिल हो गए चोरों ने कमरे में रखी अलमारी और संदूक के ताले तोड़कर करीब 5 लाख रुपए से अधिक मूल्य के कीमती आभूषण और नगदी चुरा ली सुबह जब परिजनों की नींद खुली तो उन्होंने कमरों का सामान बिखरा हुआ पाया घर के पीछे नकाब लगी देखकर उन्होंने चोरी का पता लगा, घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई, जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही हसनपुर कोतवाली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और घटना इस्तल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए, पीड़ित धर्मवीर ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है मामले में कोतवाल राजेश तिवारी ने बताया कि चोरी की घटना की जानकारी मिली है पुलिस टीम जांच में जुटी है और जल्दी चोरों का पता लगाकर मामले का खुलासा किया जाएगा 1

AIMIM ने अमरोहा जिले में बिजली, पानी सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, अमरोहा: गुरुवार को ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की जिला इकाई ने जिलाधिकारी के नाम एक ज्ञापन अमरोहा जिले में देहात एवं नगर तथा क्षेत्र स्तर पर (बकरीद) ईद उल अजहा के त्योहार से पहले क्षेत्र में जनपद भर में निर्वाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल

आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग सहित विशेष सफाई व्यवस्था तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय अमरोहा पर ज्ञापन सौंपा, बता दें कि जिला अध्यक्ष एडवोकेट साजिद अली चौधरी तथा हसनपुर विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी के नेतृत्व में यह ज्ञापन सौंपा गया, साथ ही कार्यकर्ताओं ने मांग करते हुए कहा की कुर्बानी के जानवरों को ले जाने वाले लोगों को रास्ते में अनावश्यक रूप से परेशान ना किया जाए और उन्हें पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए, जिला अध्यक्ष साजिद अली चौधरी ने कहा कि बकरीद मुस्लिम समुदाय का महत्वपूर्ण त्यौहार है साथ ही विधानसभा हसनपुर अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने प्रशासन से इन मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया ताकि मुस्लिम समुदाय के लोग त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मना सके, इस मौके पर शाहिद सलमानी, जाने आलम, राशिद अली, फारूक अली आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे 1

सुभाषनगर पुलिस की बड़ी कामयाबीः दो माह पुराने चर्चित जोगेंद्र सिंह हत्याकांड का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

» अंधेरे का फायदा उठाकर पांच लाख के लालच में की गई थी हत्या

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली के थाना सुभाषनगर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। करीब दो माह पहले हुए चर्चित जोगेंद्र सिंह हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने सर्विलांस, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त अवैध 12 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

21 फरवरी को हुई थी सनसनीखेज वारदात–पुलिस के अनुसार 21 फरवरी 2026 की देर रात प्रगति नगर निवासी जोगेंद्र सिंह की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद हत्यारे

हत्यारोपी इंद्रपाल

घर में रखा रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। मृतक की पत्नी अनीता सिंह की तहरीर पर थाना सुभाषनगर में हत्या और लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने घटना के खुलासे के लिए विशेष टीम गठित की थी।

तकनीकी जांच और सर्विलांस से खुला राज–थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन के नेतृत्व में पुलिस लगातार घटना की जांच कर रही थी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से कई अहम सुराग जुटाए। विवेचना के दौरान इन्द्रपाल पुत्र नरायन लाल निवासी वलीमगंज थाना बिनावर जिला बदायूं, हाल निवासी प्रगति नगर थाना सुभाषनगर का नाम सामने आया। पुलिस ने आरोपी को नूरी मस्जिद अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से अवैध 12 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पड़ोसी इलाके में काम करते हुए मिली थी जानकारी–पूछताछ0 में आरोपी इन्द्रपाल ने पुलिस को बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता है और जोगेंद्र सिंह के पड़ोस में बन रहे मकान पर काम करने के लिए अक्सर आता-जाता था। इसी दौरान उसे जानकारी मिली कि जोगेंद्र सिंह के घर में करीब पांच लाख रुपये रखे हुए हैं। पैसों के लालच में उसने अपने साथी राजू के साथ चोरी की योजना बनाई। घटना वाली रात दोनों आरोपी छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। तभी जोगेंद्र सिंह की आंख खुल गई और उन्होंने आरोपियों को पहचान लिया।

पहचान खुलने के डर से मारी गोली–आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि जोगेंद्र सिंह ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, जिससे वह घबरा गया। पहचान उजागर होने और पकड़े जाने के डर से उसने तमंचे से गोली चला दी। गोली लगने से जोगेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि घटना के समय वह शराब के नशे में था।

फरार आरोपी की तलाश जारी–पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में शामिल दूसरे आरोपी राजू की तलाश की जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गिरफ्तार आरोपी– इन्द्रपाल पुत्र नरायन लाल,निवासी वलीमगंज थाना बिनावर जिला बदायूं, हाल निवासी प्रगति नगर थाना सुभाषनगर, बरेली

बरामदगी– एक अवैध तमंचा 12 बोर, एक जिंदा कारतूस 12 बोर

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका–इस हत्याकांड के खुलासे में थाना सुभाषनगर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों ने लगातार मेहनत कर मामले का सफल खुलासा किया।

पुलिस टीम– इंस्पेक्टर सतीश कुमार नैन,उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल अवनीश कुमार, कांस्टेबल लख्मी चंद ,कांस्टेबल गौरव आत्री,कांस्टेबल दीपक कुमार

इलाके में चर्चा का विषय बना खुलासा–चर्चित हत्याकांड के खुलासे के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। पुलिस की कार्रवाई को लेकर इलाके में चर्चा बनी हुई है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नजीबाबाद में बदहाल बिजली व्यवस्था पर भड़के खुर्शीद मंसूरी

» जर्जर तार, ओवरलोड ट्रांसफार्मर और कटौती से जनता परेशान

लोकतंत्र की शान, खिजर अहमद

नजीबाबाद: विधानसभा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। लगातार बिजली कटौती, जर्जर तारों और ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की समस्या से आम जनता परेशान है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। नगर पंचायत साहनपुर अध्यक्ष एवं आज़ाद समाज पार्टी कांशीराम के मुरादाबाद मंडल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी ने बिजली विभाग और क्षेत्रीय विधायक पर सवाल उठाते हुए कहा कि विभाग जनता पर सख्ती दिखाने में सबसे आगे रहता है। दो महीने का बिजली बिल बकाया होने पर तुरंत कनेक्शन काट दिया जाता है और स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है, लेकिन विभाग अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र में पिछले लगभग 15 वर्षों से बिजली के जर्जर तार नहीं बदले गए हैं। हल्की हवा और बारिश

में ही तार टूट जाते हैं, जिससे घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। वहीं नए ट्रांसफार्मर न लगाए जाने के कारण पुराने ट्रांसफार्मरों पर अत्यधिक भार है, जिसके चलते हर घंटे बिजली ट्रिप हो रही है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खुर्शीद मंसूरी ने सवाल उठाया कि आखिर इतने गंभीर मुद्दे को आज तक विधानसभा में मजबूती से क्यों नहीं उठाया गया? जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है, लेकिन क्षेत्र के विधायक इस समस्या पर मौन क्यों हैं? उन्होंने मांग की कि नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र में तत्काल जर्जर बिजली तार बदले जाएं, नए ट्रांसफार्मर लगाए जाएं तथा बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

अमरोहा में संपन्न हुई माहेश्वरी महिला मंडल की मासिक बैठक

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा: गुरुवार को अमरोहा नगर में माहेश्वरी महिला मंडल की मासिक बैठक हुई जिसमें आधुनिक युग में बच्चों को शिक्षा और संस्कार कैसे दिए जाए पर वार्ता की गई। मीटिंग का आरंभ अध्यक्षा योगेश मालीवाल, सचिव वर्षा माहेश्वरी ,उपाध्यक्ष शिल्पा खटोड़ , पिंकी बाहेती ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह मीटिंग मंडल सदस्य पिंकी बाहेती के निवास स्थान पर रखी गई,जिसमें सभी सदस्यों के मध्य यह विषय रखा गया की बच्चों को आधुनिक युग में संस्कार किस प्रकार दिए जाए। इस वार्ता पर सर्वप्रथम राधा दूतजी ने बहुत सुंदर चर्चा की। शालिनी लखोटी, प्रीति मालीवाल, योगेश मालीवाल नेअपने विचार व्यक्त किए।बच्चे जो देखते है वही करते है इसलिए शुरुआत अपने आप से करनी चाहिए। बच्चों में दया, करुणा, दूसरों की मदद करना, सेवा करना,एंव सहयोग की भावना जागृत करना अति आवश्यक है अच्छे संस्कार ही बच्चे को जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं वही सफल व्यक्तित्व की पहचान है। कार्यक्रम में प्रीति मालीवाल को प्रदेश प्रकल्प मंत्री कार्य रत्न तथा शिखा खटोड़ को नगरध्यक्ष कार्य सम्मान प्राप्त करने के लिए बधाई दी गई तथा मानस सिद्धि अयोध्या मैं आयोजित

आध्यात्मिक शिविर में सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी गई। आगामी कार्यक्रम महेश नवमी पर किए जाने वाले कार्यक्रम किस प्रकार आयोजित की जाए इस पर चर्चा की गई । माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पुरुषोत्तम मास पर सामाजिक सेवा में क्या-क्या कार्यक्रम किये जा सकते हैं इस पर भी वार्ता की गई, इस दौरान मनोरंज के लिए हाऊजी खेली गई तथा स्वादिष्ट व्यंजन का लुफ़्त लिया गया, इस मौके पर मुख्य रूप से योगेश मालीवाल, वर्षा, शालिनी महेश्वरी, मेघा ,गुंजन माहेश्वरी, प्रभा मूंदड़ा, निधि राधा धूत, निधि धूत, शिल्पा खटोड़, निधि खटोड़, प्रीति मालीवाल, पिंकी, बीना, अमिता लड्डा आदि सदस्य उपस्थित रहीं।

पत्रकार समाज की आवाजः नारद जी का जीवन पत्रकारिता के लिए अनुकरणीय

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर । उत्तर प्रदेश/विश्व संवाद केन्द्र रामपुर के तत्वाधान में नारद जयंती एवं हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर "समकालीन पत्रकारिता-राष्ट्र सरोकार" गोष्ठी का आयोजन दी ग्रैंड रीजेंसी, अजीतपुर में किया गया। मुख्य अतिथि विभाग प्रचार प्रमुख डॉ. पवन कुमार जैन नें हिंदी पत्रकारिता दिवस पर प्रकाश डालते हुये बताया कि वर्तमान भारत मे लगभग 200 वर्ष पूर्व प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड 30 मई 1826 को देवऋषि नारद जी की जयंती पर प्रथम बार कोलकाता मे प्रकाशित किया गया जिससे ये सिद्ध होता है कि प्राचीनकाल से ही नारद जी को सृष्टि का आदि पत्रकार माना जाता है और उनकी जयंती को पत्रकार दिवस मनाया जाता। नारद जी का जीवन पत्रकारिता के लिए अनुकरणीय है। मुख्य वक्ता डॉ. विशेष गुप्ता बताया कि भारत

मे प्राचीन काल से ही पत्रकारिता एवं एक समृद्ध संस्कृति के सभी आयाम प्रतिस्थापित थे। समाज में पत्रकारिता का उच्चतम स्थान है और ये स्थान पत्रकार जगत को उनकी मेहनत, लगन, कार्य के प्रति ईमानदारी से मिला है। पत्रकार जगत के इस महत्वपूर्ण योगदान के कारण ही आज मीडिया या पत्रकारिता को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रुप में जाना जाता है। नारद आदि संवादवाहक थे उन्होंने सदैव राक्षसी प्रवृत्तियों के विनाश का कार्य करने मे सवांहक होने का दायित्व इमानदारी से निभाया। पत्रकारों को राष्ट्रवाद का शंखनाद करना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक अंकुर कुमार एडवोकेट रहे संचालन विभाग सोशल मीडिया प्रमुख प्रशान्त मिश्रा ने किया अध्यक्षता जिला प्रचार प्रमुख गोपीचंद ने की इस अवसर पर रामपुर जिले के प्रमुख सम्मानित प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फ्रीलांसर पत्रकार, यूट्यूबर, विभाग कार्यवाह योगेंद्र चौहान, जिला संघचालक केशव गुप्ता, सह संघचालक राजेन्द्र कुमार, जिला प्रचारक प्रमोद कुमार, विश्व संवाद केंद्र के प्रतीक चौहान, भीम सिंह, आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अंकुर रामपुर

सीएम योगी ने रामगढ़ताल में की क्रूज की सवारी

लहरों पर विहार करने के साथ मुख्यमंत्री ने ताल की साफ-सफाई का लिया जायजा

लोक तंत्र की शान

गोरखपुर। जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के समापन पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार शाम जनप्रतिनिधियों के साथ नैसर्गिक रामगढ़ताल में लेक क्वीन क्रूज की सवारी की। करीब 25 मिनट तक क्रूज पर सवार होकर मुख्यमंत्री निखरे ताल की लहरों के स्पंदन की आनंदानुभूति करने के साथ गोरखपुर की नई विकसित पहचान को ताल के किनारे उमड़ी भीड़ से महसूस करते रहे। ताल की लहरों पर विहार करने के दौरान सीएम ने इस विशाल प्राकृतिक झील की साफ-सफाई का भी जायजा लिया। रामगढ़ताल के कायाकल्प का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। उनके विजन से निखरा-संवरा रामगढ़ताल न केवल नए गोरखपुर की नई पहचान बन चुका है बल्कि इसकी गिनती अब इस अंचल के खूबसूरत पर्यटन स्थल के रूप में

भी होती है। पर्यटन विकास के साथ यहां बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हुआ है। इस ताल में बड़े महानगरों की तर्ज पर क्रूज और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का भी संचालन हो रहा है। साथ ही ताल में वाटर स्पोर्ट्स की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं ने इसे नेशनल फेम दिला दिया है। जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में पुरस्कार वितरण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लेक क्वीन क्रूज पर पहुंचे। यहां उन्होंने क्रूज की सवारी के बीच ताल की स्वच्छता का भी निरीक्षण किया। उनके साथ कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ फोटो भी खिंचवाई।

नजीबाबाद के स्टेप गग्राउंड में नगीना सांसद और नजीबाबाद चेयरमैन के बीच रोमांचक मैच आयोजित

» सांसद इलेवन ने चेयरमैन इलेवन को हराया, मैत्री क्रिकेट मैच में दिखी खेल भावना

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। नगर के स्टैब ग्राउंड में सांसद इलेवन और चेयरमैन इलेवन के बीच एक रोमांचक मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मुकाबले में सांसद इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। मैच में नगीना लोकसभा सांसद Chandra Shekhar Azad ने सांसद इलेवन की कप्तानी की, जबकि चेयरमैन इलेवन की कमान चेयरमैन इंजी मुअज्जम अहमद ने संभाली। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। सांसद इलेवन के बल्लेबाजों

और गेंदबाजों ने शानदार तालमेल दिखाते हुए मुकाबले में बढ़त बनाई और जीत हासिल की। मैदान में मौजूद खेल प्रेमियों और समर्थकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर सांसद Chandra Shekhar Azad ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, अनुशासन और एकता का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि आज देश के युवा खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। मैत्री मैच को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग स्टेडियम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में चेयरमैन इंजी मुअज्जम अहमद ने सभी खिलाड़ियों, आयोजकों और दर्शकों का धन्यवाद अदा किया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की बात कही।

ईद-उल-अज़्हा 28 मई को, दरगाह आला हज़रत से फरमान मियाँ की बड़ी अपील

» "खुले में कुर्बानी न करें, सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने से बचें"

» प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पर रोक, सफाई और सौहार्द बनाए रखने की अपील

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली की विश्व प्रसिद्ध दरगाह आला हज़रत से ईद-उल-अज़्हा को लेकर अहम दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। दरगाह से जुड़े 107 साल पुराने संगठन जमात रज़ा-ए-मुस्तफ़ा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन खान उर्फ फरमान मियाँ ने देशभर के मुसलमानों से त्योहार को शांतिपूर्ण, स्वच्छ और भाईचारे के माहौल में मनाने की अपील की है। फरमान मियाँ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष ईद-उल-अज़्हा 28 मई, गुरुवार को मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस्लामी माह ज़िलहिज्जा की 10वीं तारीख को ईद की नमाज़ अदा की जाएगी, जिसके बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू होगा। यह सिलसिला लगातार

तीन दिनों तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि 28 मई सूर्योदय से लेकर 30 मई सूर्यास्त तक कुर्बानी की जा सकेगी। शहर की प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों में सुबह 6 बजे से 10:30 बजे तक ईद की नमाज़ अदा की जाएगी। प्रशासन और धार्मिक संस्थाओं द्वारा नमाज़ को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

खुले में कुर्बानी पर सख्त एतराज़–फरमान मियाँ ने साफ शब्दों में कहा कि कुर्बानी खुले या सार्वजनिक स्थानों पर बिल्कुल न की जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुर्बानी केवल निर्धारित और बंद स्थानों पर ही करें ताकि किसी भी व्यक्ति की भावना आहत न हो और कानून व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने विशेष रूप से चेतावनी दी कि प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी किसी भी परिस्थिति में न की जाए। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन द्वारा जारी नियमों का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सफाई व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि जानवरों के अवशेषों को खुले में न फेंका जाए, बल्कि गड्ढा खोदकर जमीन में दफन किया जाए। खून को नालियों या सड़कों पर बहने से रोकने की भी अपील की गई ताकि गंदगी और संक्रमण जैसी समस्याएं पैदा न हों।

सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो डालने से बचें-फरमान हसन खान उर्फ फरमान मियाँ ने युवाओं और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से खास अपील करते हुए कहा कि कुर्बानी के जानवरों की तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा न करें। उन्होंने कहा कि त्योहार का उद्देश्य दिखावा नहीं बल्कि इबादत, त्याग और इंसानियत का संदेश देना है। सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट कई बार विवाद और गलतफहमियां पैदा कर सकती हैं, इसलिए सभी लोग जिम्मेदारी और समझदारी का परिचय दें। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अज़्हा का पर्व हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम और हज़रत इस्माइल अलैहिस्सलाम की महान कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। यह त्योहार त्याग, समर्पण और अल्लाह की राह में कुर्बानी देने की भावना को मजबूत करता है।

कुर्बानी के नियम भी बताए-फरमान मियाँ ने बताया कि भेड़, बकरा और दुम्बा जैसे छोटे जानवर केवल एक व्यक्ति की ओर से कुर्बान किए जाते हैं, जबकि बड़े जानवरों में अधिकतम सात लोग हिस्सेदार बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुर्बानी केवल वही व्यक्ति करे जो साहिब-ए-निसाब हो और इस्लामी तौर पर उस पर कुर्बानी वाजिब होती हो।

भाईचारे और सौहार्द का संदेश-दरगाह आला हज़रत और जमात रज़ा-ए-मुस्तफ़ा की ओर से जारी इन दिशा-निर्देशों का मुख्य उद्देश्य त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना है। संगठन ने सभी समुदायों के बीच आपसी भाईचारा, सम्मान और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। फरमान मियाँ ने कहा कि ईद-उल-अज़्हा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि इंसानियत, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहार को पूरी सादगी, स्वच्छता और कानून के दायरे में रहकर मनाएं ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए।

संक्षिप्त समाचार

महादलित बस्ती की सड़क मांग पर प्रशासन एक्टिव, डीएम के निर्देश पर जांच शुरू

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर स्थित एक महादलित बस्ती में सड़क निर्माण की वर्षों पुरानी मांग पर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। एक सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदन के बाद यह पहल की गई है। वैशाली की जिलाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर सड़क निर्माण की मांग की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति का नेतृत्व अपर समाहर्ता (ADM) कर रहे हैं, जिसमें एसडीएम, डीएसपी और हाजीपुर के प्रखंड अंचलाधिकारी भी शामिल हैं। जांच समिति ने आज मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया। समिति के सदस्यों ने मीडिया को बताया कि सहयोग शिविर में सड़क निर्माण से संबंधित एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसकी जांच के लिए वे यहां आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, स्थल निरीक्षण के बाद पूरी जांच रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी।

इस रिपोर्ट के आधार पर सड़क निर्माण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। यह कार्रवाई 19 मई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आह्वान पर आयोजित सहयोग समिति से जुड़े एक घटनाक्रम के बाद हुई है। उस दिन, लोगों ने वैशाली जिलाधिकारी से स्थल निरीक्षण का अनुरोध किया था। जब जिलाधिकारी स्थल निरीक्षण के लिए जा रही थीं, तब हाजीपुर के भाजपा विधायक अवधेश सिंह ने उन्हें रोक दिया था। इस घटना के बाद दलित समाज के लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने हंगामा किया। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन और विधायक को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा था। इसी के बाद जिलाधिकारी ने आज यह पहल की है, जिससे ग्रामीणों में वर्षों पुरानी मांग पूरी होने की उम्मीद जगी है।

बुलेट के लिए नवविवाहिता की पीट-पीटकर हत्या, 9 महीने पहले की थी लव मैरिज

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में दहेज के लिए एक नवविवाहिता की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मामला बालिगांव थाना क्षेत्र के भूसाही गांव की है। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए FSL टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय अमृता कुमारी के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब नौ महीने पहले भूसाही गांव निवासी प्रमोद पंडित के बेटे मनीष कुमार से हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, अमृता और मनीष के बीच प्रेम प्रसंग था, जिसके बाद दोनों की शादी हुई थी। बताया जाता है कि शुरुआत में लड़की पक्ष इस विवाह के लिए तैयार नहीं था, लेकिन बाद में दोनों परिवारों की सहमति से शादी संपन्न हुई। मृतका की बड़ी बहन ने

ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही अमृता को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि पति मनीष कुमार और उसकी मां बुलेट की मांग कर रहे थे। परिजनों ने यह भी दावा किया कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने तक अमृता को मायके वालों से बात करने नहीं दिया जाता था। उसके मोबाइल फोन से परिवार के सभी नंबर ब्लॉक कर दिए गए थे।

परिजनों के मुताबिक, गुरुवार देर रात अमृता की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद बालिगांव थाना की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बालीगांव थाना अध्यक्ष रामनिवास ने बताया कि महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी लोग फरार हैं। मृतका के परिजनों की ओर से लिखित आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

लालगंज में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, वट सावित्री व्रत के लिए पैसे न मिलने से थी नाराज

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। लालगंज थाना क्षेत्र के सलाहपुर मोहल्ला में बुधवार को एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। मृतका की पहचान मधुबनी के कमलवाड़ी गांव निवासी दिलीप मंडल के पुत्र विकास मंडल की पत्नी पुष्पा कुमारी के रूप में हुई है। पुष्पा की शादी वर्ष 2018 में राजनगर चिरचिरि गांव निवासी नंदकिशोर प्रसाद मंडल की पुत्री से हुई थी। दंपति पिछले पांच-छह महीने से लालगंज के सलाहपुर मोहल्ला स्थित श्याम नंदन राय के मकान में किराये पर रह रहे थे। शादी के बाद से उन्हें कोई बच्चा नहीं हुआ था, जिसके लिए पति-पत्नी डॉक्टर से इलाज भी करा रहे थे। पति विकास मंडल फोरलेन निर्माण कार्य में मजदूरी करते हैं। बताया गया है कि वट सावित्री व्रत को लेकर पुष्पा ने पति से पैसे की मांग की थी। पति ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए उतनी राशि देने

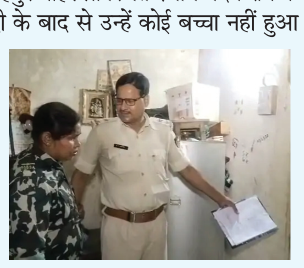

में असमर्थता जताई, जिससे पुष्पा कुमारी नाराज चल रही थी। बुधवार, 20 मई 2026 को महिला ने खाना बनाने के बाद कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालकिन विद्या देवी को शक हुआ। उन्होंने बगल के मिस्त्री को बुलाकर दरवाजा खुलवाया। दरवाजा खुलते ही कमरे के अंदर महिला का शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने मृतका के पति और पुलिस को सूचना दी। लालगंज थाना के एसआई कमलेश कुमार पांडेय एवं एसआई जनार्दन प्रसाद मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

सिक्स लेन पुल पर युवक का मिला शव, खून से लथपथ शर्ट बरामद, हत्या की आशंका, पहचान में जुटी पुलिस

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में राघोपुर कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल के पाया नंबर 8 की रेलिंग के पास गुरुवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिला। सूचना मिलते ही राहगीर, पुल निर्माणकर्मी और अधिकारी मौके पर जमा हो गए। रुस्तमपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। राहगीरों ने सुबह पुल पर शव देखा, जिसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव की पहचान करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में युवक की हत्या कर शव को पुल पर फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। युवक की शर्ट खून से लथपथ पाई गई। रुस्तमपुर थाना अध्यक्ष कुमार अभिषेक ने बताया कि सिक्स लेन पुल पर शव मिलने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। स्थानीय लोगों की मदद से पहचान का प्रयास किया गया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पोस्टमार्टम के बाद शव को सदर अस्पताल में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस अब शव की पहचान कर उसके परिजनों को सूचित करने का प्रयास कर रही है।

मुख्य आरोपी सहित तीन की मौत पत्नी-बच्चे की हालत नाजुक

पटना सिटी आगजनी मामला

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना सिटी में बुधवार को पहले पति ने पत्नी, बच्चों के साथ-साथ सास, ससुर को आग लगा दी। इस घटना में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में मुख्य आरोपी कन्हैया कुमार, गोविंद अग्रवाल के पिता पुरुषोत्तम प्रसाद और उनकी मां नीलम देवी शामिल हैं। तीनों घायलों की मौत इलाज के दौरान हुई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं। यह घटना पत्नी से विवाद के चलते हुई थी। इस मामले में गोविंद अग्रवाल ने चौक थाने में कन्हैया कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। घटना में घायल हुए गोविंद के दो बच्चे और उसकी पत्नी मोनी उर्फ प्रिया की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। यह घटना पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र स्थित राजा बाबू खाटू श्याम गली में हुई।

पति को छोड़ दूसरे से की शादी, पेट्रोल डालकर आग लगाया: पुलिस के अनुसार, मुन्नी देवी ने 15 दिन पहले कन्हैया कुमार को छोड़कर गोविंद से शादी की थी। बताया जा

रहा है कि कन्हैया कुमार इसे लेकर नाराज था। बुधवार देर रात कन्हैया कुमार का अपनी पत्नी को लेकर गोविंद अग्रवाल के परिवार से विवाद हुआ था। आरोप है कि महिला का पहला पति और आरोपी कन्हैया कुमार अपने साथ पेट्रोल लेकर आया था। घर में घुसते ही उसने सभी के ऊपर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

घर में घुसकर सभी को जलाया गया: पड़ोसियों ने बताया कि, सुबह करीब 10.30 बजे राजा बाबू खाटू श्याम गली में गोविंद अग्रवाल के घर से आग की लपटें उतरी दिखीं।

पहले पति ने पूरे परिवार को लगाई थी आग

हम लोग दौड़ते हुए वहां पहुंचे। अंदर देखा तो 4 लोग बुरी तरह से जल रहे थे। आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया और पुलिस को भी जानकारी दी गई। पुलिस की मदद से सभी को रेस्क्यू किया गया। संकरी गली होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी परेशानी हुई, लेकिन स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला।

मुख्य आरोपी आरोपी सहित 3 की मौत: इस हमले में पुरुषोत्तम अग्रवाल (ससुर), नीलम देवी (सास), मुन्नी देवी (पत्नी) और एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस गए। चारों को गंभीर हालत में NMCH में इलाज के लिए लाया गया। हमले में मुख्य आरोपी कन्हैया कुमार भी झुलस गया था। पुलिस ने उसे भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन बुधवार देर रात उसने दम तोड़ दिया। गुरुवार दोपहर पुरुषोत्तम अग्रवाल और नीलम देवी की भी मौत हो गई। फिलहाल मुन्नी देवी और एक बच्चे की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

लू से बचाव के लिए क्या करें और क्या न करें: जिला प्रशासन की अपील

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: बढ़ती गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आम लोगों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे लू से बचाव के उपायों को अपनाएं और सावधानी बरतें, ताकि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या से बचा जा सके। जारी निर्देशों के अनुसार लोगों को अधिक से अधिक पानी पीने, घर से निकलने से पहले भोजन करने तथा घर में बने पेय पदार्थों का नियमित सेवन करने की सलाह दी गई है। साथ ही अधिक पानी वाले मौसमी फलों का सेवन करने, हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनने तथा सिर को गीले कपड़े से ढककर बाहर निकलने की बात कही गई है। प्रशासन ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों का ध्यान रखने पर जोर दिया है। वहीं, लोगों को कड़ी धूप में बाहर निकलने से बचने, बच्चों को धूप में खेलने से रोकने और बुजुर्गों को अनावश्यक रूप से बाहर न जाने देने की सलाह दी गई है। अधिक प्रोटीन वाले भोजन जैसे मटन, चिकन और अंडे के

सेवन से परहेज करने तथा चाय-कॉफी जैसे गर्म पेय पदार्थों से दूरी बनाए रखने को कहा गया है। इसके अलावा अधिक तापमान में भारी शारीरिक श्रम करने से भी बचने की हिदायत दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में लोग हेल्पलाइन नंबर 101 और 112 पर संपर्क कर सकते हैं। साथ ही राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (SEOC) के माध्यम से भी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इन निर्देशों का पालन करें और खुद के साथ-साथ अपने परिवार को भी सुरक्षित रखें।

अगम कुआं शिवलोक नगर में अधूरी सड़क पर गड्ढे

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के अगम कुआं स्थित शिवलोक नगर (वार्ड नंबर 61) में शिव मंदिर के पास एक अर्धनिर्मित सड़क पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में बारिश का पानी जमा होने से स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। निवासियों के अनुसार, सड़क का केवल कुछ हिस्सा ही बन पाया है, जबकि शेष निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है।

लगभग 500 से 600 फीट लंबी इस सड़क के निर्माण में तीन से चार महीने का समय लग चुका है, लेकिन यह अब तक पूरी नहीं हो पाई है। इस कारण क्षेत्र में आवागमन लगातार बाधित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने और सड़क निर्माण कार्य

को गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द पूरा करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि वर्तमान स्थिति बनी रहती है, तो सड़क बनने के बाद भी समस्याएं समाप्त नहीं होंगी।

इस संबंध में, कनिष्ठ अभियंता स्नेहा कुमारी और ठेकेदार मनोज कुमार से बात की गई, जिन्होंने सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है। वार्ड पार्षद रूप नारायण मेहता से संपर्क का प्रयास किया गया। स्थानीय नागरिकों राहुल कुमार, धीरज तिवारी, महानंदजी, कृष्णा जी और शंभु जी ने भी अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं।

सहयोग शिविर, जनगणना व किसान रजिस्ट्रेशन कार्यों की समीक्षा, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को गूगल मीट के माध्यम से सहयोग शिविर से संबंधित परिवादों के निष्पादन, जनगणना कार्य तथा किसान रजिस्ट्रेशन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में आगामी जून माह में 02, 09 एवं 16 जून को आयोजित होने वाले सहयोग शिविरों के सफल संचालन को लेकर तैयारियों का आकलन किया गया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने प्रखंड स्तर पर सहयोग शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार, आवेदन प्राप्ति कार्य में तेजी लाने तथा प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिकतम 30 दिनों के भीतर लंबित आवेदनों का निष्पादन किया जाए, ताकि शिविरों का उद्देश्य प्रभावी ढंग से पूरा हो सके। बैठक में 30 जून 2026 तक पंचायत स्तर पर चल रहे फॉर्मर रजिस्ट्री विशेष शिविरों की प्रखंडवार प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को इस महत्वपूर्ण कार्य की

नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। समीक्षा में यह सामने आया कि फॉर्मर आईडी निर्माण के लिए जिले में कुल 207 कर्मियों को चिन्हित किया गया है। सभी को प्रतिदिन न्यूनतम 10 रैयतधारी किसानों का फॉर्मर आईडी बनाने का लक्ष्य दिया गया है। जिलाधिकारी ने प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को इस निर्देश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अपेक्षित प्रगति नहीं हुई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि भविष्य में बिना फॉर्मर आईडी के किसानों को उर्वरक उपलब्ध नहीं कराया जाएगा तथा पैक्स के माध्यम से खरीद-बिक्री भी केवल फॉर्मर आईडी के आधार पर ही संभव होगी। जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपना फॉर्मर आईडी बनवाएं, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

25 करोड़ की स्मैक केस में फरार सिपाही गिरफ्तार रांची से दबोचा गया ऋषिकेश क्रांतिकारक

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के आलमगंज थाना कांड संख्या 294/26 में नामजद फरार आरोपी ऋषिकेश क्रांतिकारक उर्फ अनीश को पुलिस ने रांची से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मूल रूप से नवादा का रहने वाला है, और बिहार पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

25 करोड़ के स्मैक बरामदगी मामले में था फरार: पटना में 25 करोड़ रुपये मूल्य की स्मैक बरामदगी मामले ने राज्य में सक्रिय ड्रग नेटवर्क के खतरनाक चेहरे को उजागर किया था। इस मामले में पहले ही समस्तीपुर के जितेंद्र कुमार और जहानाबाद के नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जांच के दौरान बड़ा खुलासा हुआ कि नालंदा का सिपाही ऋषिकेश क्रांतिकारक उर्फ अनीश इस पूरे सिंडिकेट की अहम कड़ी था।

पटना में चला रहा था स्मैक की प्रोसेसिंग और सप्लाई नेटवर्क: जानकारी के अनुसार, ऋषिकेश गया में पदस्थापित था और जुलाई 2025 में उसका ट्रांसफर भागलपुर हुआ था,

लेकिन उसने वहां योगदान नहीं दिया और फरार हो गया। पुलिस को पटना के आलमगंज और रामकृष्ण नगर इलाके से उसके बैंक दस्तावेज, चेकबुक और सर्विस रिकॉर्ड बरामद हुए, जिसके बाद नेटवर्क में अंदरूनी मिलीभगत की आशंका और गहरा गई। जांच में यह भी सामने आया कि पटना में स्मैक की प्रोसेसिंग और सप्लाई का पूरा नेटवर्क संचालित हो रहा था। रॉ मटेरियल

ड्रग नेटवर्क से जुड़े बड़े खुलासे

यूपी के मुगलसराय और गाजीपुर से मंगाया जाता था। सप्लाई के लिए ट्रेन, कुरियर और सड़क मार्ग का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सड़क मार्ग से तस्करी के दौरान सिपाही ऋषिकेश वर्दी में साथ रहता था, जिससे चेकिंग के दौरान आसानी से बचाव हो जाता था।

ड्रग नेटवर्क का लिंक बेउर जेल से भी जुड़ा: इस ड्रग नेटवर्क का लिंक बेउर जेल तक जुड़ा होने की भी बात सामने आई है, जहां से एक कथित 'दादा' पूरे रैकेट को ऑपरेट कर रहा था। मामले में आलमगंज और रामकृष्ण नगर थाने में जितेंद्र कुमार, नीतीश कुमार और पटनदेवी इलाके के राहुल यादव समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज है। अब फरार चल रहे सिपाही ऋषिकेश क्रांतिकारक उर्फ अनीश की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है।

मधेपुरा में आकाशीय बिजली गिरने से 2 की मौत

लोकतंत्र की शान, पटना

भीषण गर्मी के बीच बिहार के कई जिलों का मौसम बदल गया। सहरसा, बेगूसराय, कटिहार, सहरसा समेत कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। सुपौल, मधुबनी में भी काले बादल छाने से अंधेरा छा गया। दरभंगा में तेज आंधी और बारिश के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र(PHC) में कई जगहों पर फॉल्स सीलिंग गिर गई। मधेपुरा के बिहारीगंज में आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। कई घायल हैं।

इधर, पटना समेत बिहार के कई जिले भीषण गर्मी की चपेट में हैं। जमुई में गर्मी के चलते क्लासरूम में सातवीं कक्षा के छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जमुई का तापमान गुरुवार को 40 डिग्री दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के कारण गयाजी में पांचवीं तक के स्कूल बंद हो गए हैं, जबकि क्लास 6 से आठवीं तक सुबह 11 बजे तक

ही पढ़ाई होगी। गयाजी में सुबह 10 बजे ही तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच जा रहा है। मौसम विभाग ने बिहार के 7 जिलों बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आंधी-बारिश, आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा 5 जिलों में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया गया है। दरभंगा के गंगवाड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान फैब्रिक से बने भवन का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। कई जगहों पर फॉल्स सीलिंग गिर गई, जबकि दीवारें भी अपनी जगह से खिसकने लगीं।

पटना में बनेगा 6 मॉडर्न गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना को कचरा मुक्त बनाने के लिए सभी अंचलों में मॉडर्न गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन बनाया जाएगा। शहर की विभिन्न जगहों पर 6 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन के निर्माण में करीब 69.97 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सबसे ज्यादा खर्च पटना सिटी अंचल में होगा। यहां करीब 13.97 करोड़ रुपये से निर्माण किया जाएगा। हालांकि, अभी जमीन सर्वे में 4 अंचल के लिए प्रस्तावित जगह चिन्हित कर ली गयी है। वहीं, पटना सिटी अंचल और अजीमाबाद अंचल में जमीन नहीं मिली है।

आधुनिक मशीनों से होगा कचरे का डिस्पोजल: यह कचरा ट्रांसफर स्टेशन आधुनिक मशीनों जैसे कंपैक्टर, कन्वेयर और हाइड्रोलिक सिस्टम से सुसज्जित होगा, जिससे कचरे का निपटान

तुरंत, सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से किया जा सकेगा। यह स्टेशन शहर की वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगा, जिससे लोकल कलेक्शन पॉइंट से कचरे को फाइनल प्रोसेसिंग या डिस्पोजल साइट तक पहुंचाना संभव होगा। इन कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर, घरों, दुकानों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से छोटे वाहनों (जैसे टिपर, रिक्शा, ई-रिक्शा आदि) द्वारा इकट्ठा किए गए कचरे को गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन परिसर में निर्मित विशेष प्लेटफार्मों पर उतारा जाएगा। इसके बाद कचरे को मशीनों द्वारा संकुचित किया जाएगा।

अबकी बार सूखे के आसार, 20% तक कम होगी बारिश, 45 डिग्री के पार जाएगा पारा

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में भीषण गर्मी पड़ रही है। पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। आने वाले 8 दिनों तक चिलचिलाती गर्मी से राहत की उम्मीद कम है। इस सीजन 30 दिन हीटवेव चलेगी। चिंता की बात है कि बिहार में इस साल सूखा पड़ने की आशंका है। साथ ही भीषण गर्मी भी झेलनी पड़ सकती है। प्रशांत महासागर में विषुवत रेखा के आसपास पानी का तापमान बढ़ रहा है। इसके चलते मिड मई-जुलाई से सर्दियों तक सुपर अल-नीनो की स्थिति बने रहने की संभावना है। ऐसा होने पर प्रशांत महासागर से आ रही गर्म हवाएं हिंद महासागर और अरब सागर से भारत की ओर

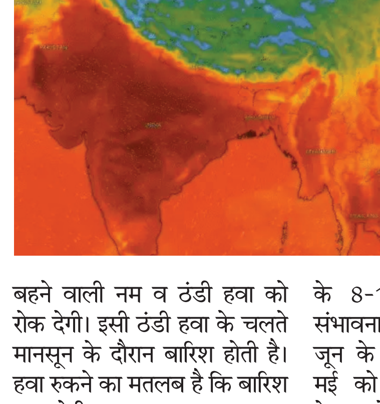

बिहार में इस सीजन 30 दिन चलेगी हीटवेव

बहने वाली नम व ठंडी हवा को रोक देगी। इसी ठंडी हवा के चलते मानसून के दौरान बारिश होती है। हवा रुकने का मतलब है कि बारिश कम होगी।

बिहार में कब आएगा मानसून?: मौसम वैज्ञानिकों ने बताया है कि बिहार में मानसून के 8-10 जून को आने की संभावना है। आमतौर पर यह 15 जून के आसपास आता है। 26 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में दस्तक दे सकता है। मौसम वैज्ञानिक आशीष कुमार के मुताबिक, इस साल भी बिहार में मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश की संभावना है। बिहार में मानसून की सामान्य बारिश 992.2mm है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस साल बिहार में सामान्य से करीब 20% कम बारिश होने की संभावना है। अल-नीनो और सुपर अल-नीनो ने मानसून पर असर डाला तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पूरे मई सता सकती है भीषण गर्मी: Accuweather के अनुसार बिहार में पूरे मई भीषण गर्मी सता सकती है। पटना में 29 मई तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार रहने की संभावना है। 27 मई को तो यह 45 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। गया और रोहतास जैसे जिलों में पारा 45 के पार जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

योगी सरकार का बड़ा फैसला, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ड्रेस कोड होगा अनिवार्य

लोकतंत्र की शान , लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता, अनुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ड्रेस कोड का पालन अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षण संस्थान में यथासंभव एक समान ड्रेस कोड लागू किया जाएगा, जिससे छात्र-छात्राओं के बीच समानता और अनुशासन की भावना को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि छात्र वर्ग एक समरूप (होमोजेनियस) वर्ग होता है, जहां किसी भी प्रकार का ऊंच-नीच या भेदभाव परिलक्षित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार पहनावे के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक असमानता दिखाई देती है, जिससे कुछ छात्रों में हीन भावना तथा कुछ में श्रेष्ठता का भाव विकसित हो जाता है। ड्रेस कोड लागू होने से इन परिस्थितियों पर प्रभावी नियंत्रण होगा और सभी छात्र समान वातावरण में अध्ययन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का उद्देश्य केवल शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाना नहीं बल्कि शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक, अनुशासित और संस्कारित माहौल तैयार करना भी है। ड्रेस कोड केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और समान अवसर की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी बनेगा। इससे छात्र-छात्राओं का ध्यान शिक्षा और व्यक्तित्व विकास पर अधिक केंद्रित रहेगा।

हरियाणाः छुट्टियों में विदेश नहीं जा सकेंगे मंत्री व अधिकारी

लोकतंत्र की शान ,चंडीगढ़। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील को हरियाणा सरकार ने पूरी तरह से लागू कर दिया है। गाडिय़ों के काफिले में कटौती के बाद अब हरियाणा सरकार ने अपने सभी मंत्रियों तथा अधिकारियों के विदेश दौरों को रद्द कर दिया है।मंत्रियों के विदेशी दौरे भी रद्द किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल का जापान जाना स्थगित हो गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक विस्तृत गाइडलाइन तैयार हो रही है। जिसके बाद सिर्फ बेहद जरूरी होने या विशेष परिस्थितियों में ही विदेश यात्रा की अनुमति मिलेगी। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के सिलसिले में 19 से 22 जून तक जापान जाना था, लेकिन अब फिलहाल यह टल गया है। इसकी पुष्टि खुद मंत्री विपुल गोयल ने की है। पिछले कुछ सालों में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड (केडीबी) का प्रतिनिधि मंडल अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए मॉरिशस, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया व श्रीलंका जा चुका है।मुख्यमंत्री कार्यालय के एक को-ऑर्डिनेटर ने भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के सिलसिले में जापान दौरे के लिए आवेदन किया था। इसके लिए सीएम से विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसे मंजूरी नहीं दी। श्रम एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज के विभाग में कुछ कर्मचारियों ने अपने निजी खर्च पर विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। जून माह में गर्मी की छुट्टियों के दौरान अक्सर अधिकारी विदेश दौरे पर जाते हैं लेकिन इस बार सीएमओ की तरफ से इन फाइलों को स्वीकृति नहीं दी गई है।

सूचना प्रौद्योगिकी व पंचायती राज व्यवस्था राजीव गांधी की देन : राव नरेंद्र

लोकतंत्र की शान , चंडीगढ़। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने गुरुवार को चंडीगढ़ स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि राजीव गांधी जी ने जिस आधुनिक, लोकतांत्रिक, वैज्ञानिक सोच और भाईचारे से परिपूर्ण भारत का सपना देखा था, उसकी प्रासंगिकता आज पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, युवाओं की भागीदारी, पंचायती राज व्यवस्था तथा पारदर्शी शासन को मजबूत करने का जो दूरदर्शी विजन राजीव गांधी जी ने देश को दिया, उसे वर्तमान भाजपा सरकार कमजोर करने पर लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण आज समाज में वैमनस्य, बेरोजगारी और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लगातार प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में राजीव गांधी जी के विचार देश को एकजुट रखने, संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने और युवाओं को अवसर प्रदान करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक जसबीर मलौर, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन हरियाणा के चेयरमेन फोम लाल, पंचकूला जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय चौहान, मीडिया प्रभारी संजीव भारद्वाज, हरियाणा महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं मेयर प्रत्याशी सुधा भारद्वाज, भूपेंद्र सिंह बूरा, राजेश कोना, संजय मालिक सहित अन्य कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भी स्वर्गीय राजीव गांधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

छत्तबीड़ चिड़ियाघर में जानवरों के लिए व्यापक आहार योजना लागू की गई

लोकतंत्र की शान , चंडीगढ़। बढ़ते तापमान को देखते हुए पंजाब के सबसे बड़े वन्यजीव अभ्यारण्य और प्रमुख सफारी स्थल छतबीर में स्थित महेंद्र चौधरी प्राणी उद्यान में जानवरों के स्वास्थ्य और सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए गर्मियों के लिए व्यापक आहार योजना लागू की गई है। वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के नेतृत्व में बढ़ती गर्मी से निपटने के लिए चिड़ियाघर में गर्मी के मौसम के दौरान प्रत्येक भालू को प्रतिदिन 100 किलोग्राम आइस क्यूब उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। हाइड्रेशन और ठंडक बनाए रखने के लिए भालुओं के साथ-साथ बंदरों और हाथियों को ताजे तरबूज भी दिए जा रहे हैं। गर्म मौसम में तरल और इलेक्ट्रोलाइट की कमी को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा स्तर बनाए रखने और डिहाइड्रेशन रोकने के लिए सभी मांसाहारी और सर्वाहारी जानवरों के पीने के पानी में ग्लूकोन-डी पाउडर मिलाया जा रहा है।चिड़ियाघर प्रशासन ने फलों और सब्जियों के सेवन में भी मौसमी बदलाव किए हैं। केले की जगह पपीते का उपयोग किया जा रहा है, क्योंकि पपीता पचाने में आसान होता है और उसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। शाकाहारी जानवरों और पक्षियों के लिए पत्ता गोभी के पत्तों की जगह पालक के पत्तों का उपयोग किया जा रहा है तथा मूली की जगह खीरे दिए जा रहे हैं, जो बेहतर हाइड्रेशन और ठंडक प्रदान करते हैं। ये सभी उपाय छत्तबीड़ चिड़ियाघर की गर्मियों संबंधी नियमित तैयारियों और प्रोटोकॉल का हिस्सा हैं, जिनकी निगरानी पशु चिकित्सकों और पशु देखभाल स्टाफ कर रहा है।

हनी ट्रेप : दोस्ती और मधुर संबंध बनाकर 20 लाख ऐंठे, अब 15 लाख की डिमाण्ड कर धमका रहे

लोकतंत्र की शान , जोधपुर। शहर के कुड़ी भगतासनी सेक्टर चार में रहने वाले एक युवक को हनी ट्रेप में फंसाकर महिला 20 लाख रूपए ऐंठ लिए। रूपयों की डिमाण्ड पूरी नहीं करने पर झूठा केस भी दर्ज करवा दिया। अब मुकदमें में राजीनामा करवाने के नाम पर 15 लाख की डिमाण्ड की जा रही है। पीड़ित का बार बार धमकियां दी जा रही है। पुलिस के पास पहुंचे युवक का केस दर्ज नहीं किया गया तो उसने कोर्ट की शरण ली और नामजद तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया। आरोपी पाली जिले की मां बेटी और बेटा है। कुड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बताया कि सेक्टर 4 में रहने वाले एक युवक ने यह रिपोर्ट दी है। वह तीन साल से पाली जिले के एक युवती रतन के साथ जान पहचान हुई थी। बाद में उनके बीच में नजदीकियां बढ़ गई और संबंध मधुर हो गए। वह पाली से जोधपुर आती जाती थी तब उसे होटल कैफे में लेकर जाता था।

सिहावल विधायक ने उठाई सीधी को संभाग बनाने की मांग

» मुख्यमंत्री को पत्र सौंप कर कराया ध्यानाकर्षण

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। सीधी को संभाग बनाने की मांग एक बार फिर से मुखर हो गई है। जिले के सिहावल विधानसभा से भाजपा विधायक विश्वामित्र पाठक ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भोपाल में मुलाकात करते हुए सीधी जिले को संभाग बनाने की मांग की है। विधायक विश्वामित्र पाठक ने लिखित प्रस्ताव दिया है कि सिंगरौली और मऊगंज को जोड़कर सीधी को प्रदेश का नया संभाग बनाया जाए। उन्होंने पत्र में तर्क दिया कि सिंगरौली की दूरी सीधी से करीब 100 किमी है, जबकि वर्तमान संभाग रीवा से लगभग 200 किमी है। वहीं मऊगंज की दूरी सीधी से करीब 40 किमी और रीवा से लगभग 100 किमी है। ऐसे में तीनों जिलों सीधी, सिंगरौली और मऊगंज को मिलाकर नया संभाग बनाने को जनहित में जरूरी बताया गया है। गौरतलब है कि सीधी को नया संभाग बनाए जाने की मांग लंबे समय से उठती रही है, जिसे लेकर समय-समय पर स्थानीय स्तर पर आवाज भी उठती रही है। फिर भी विडंबना यह रही कि लंबे समय से सीधी की मांग विभिन्न माध्यमों से उठने के बाद भी प्रदेश सरकार की ओर से अभी तक कोई सार्थक पहल नहीं की गई है। मध्य प्रदेश के अस्तित्व में आने के साथ ही सीधी जिला बना था। फिर भी प्रदेश सरकार की ओर से कतिपय कारणों की वजह से सीधी को संभाग बनाने की दिशा में कभी सार्थक प्रयास नहीं किए गए। इसी वजह से मांग उठने के बाद भी उसको व्यापक जन समर्थन तो मिलता है लेकिन सरकार से जुड़े नुमाइंदों द्वारा सीधी के साथ लगातार नाइंसाफी की जा रही है। सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक द्वारा जिस तरह से सीधी को संभाग बनाने की आवाज को मुख्यमंत्री के समक्ष मुखर किया गया है उसको सीधी जिले के अन्य जन प्रतिनिधियों को भी समर्थन प्रदान करते हुए यह प्रयास शुरू करना चाहिए कि सीधी संभाग बन सके। बता दें कि इस दौरान सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक के साथ धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम एवं सिंगरौली जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अजय पाठक भी मौजूद रहे।

नाबालिग बालिका को ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर सतना से बालिका दस्तयाब

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन में चौकी खड्डी थाना रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका से संबंधित गंभीर प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 10 मई 2026 को आरोपी द्वारा नाबालिग बालिका को शहर की चकाचौंध एवं बेहतर जीवन का लालच देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया था। घटना की सूचना पर चौकी खड्डी थाना रामपुर नैकिन में आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा लगातार तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के आधार पर तलाश की गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए नाबालिग बालिका को सतना से सकुशल दस्तयाब किया तथा आरोपी को गिरफ्तार किया गया। विवेचना

के दौरान प्रकरण में धारा 64(2), 64(एफ), 351(3), 115(2), 96, 3(5) बीएनएस एवं 5(एल), 6, 5(एन)/6 पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। उक्त कार्यवाही में टीआई रामपुर नैकिन सुधांशु तिवारी, उप निरीक्षक मोतीलाल रावत, एएसआई नीरज कुमार चौकी प्रभारी खड्डी, आरक्षक रविन्द्र सिंह, आरक्षक दीपेंद्र सिंह, महिला आरक्षक अंजली सिंह, साइबर सेल से कृष्ण मुरारी द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही।

श्री जुगल किशोर मंदिर में भागवत कथा के तीसरे दिन उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, संगीतमय भजनों पर झूमे भक्त

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यौरे चीफ जबलपुर कटनी मध्यप्रदेश

पन्ना। बुंदेलखंड की ऐतिहासिक नगरी पन्ना के आराध्य देव श्री जुगल किशोर जी मंदिर में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। उपाध्याय परिवार द्वारा आयोजित इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में सोमवार को कलश यात्रा और घट स्थापना के बाद बुधवार को कथा के तृतीय सोपान पर पूरा परिसर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।कथा के मुख्य श्रोता स्वर्गीय श्री मोतीलाल उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रा उपाध्याय, उनकी पुत्रवधू श्रीमती दीप्ति उपाध्याय (पति स्वर्गीय श्री ब्रजेश उपाध्याय) एवं समस्त उपाध्याय परिवार ने व्यासपीठ का विधि-विधान से पूजन कर आरती उतारी।

भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम–सुप्रसिद्ध कथाव्यास आचार्य श्री बद्री विशाल समदरिया जी महाराज ने तृतीय दिवस की संगीतमय कथा में भगवान के दिव्य अवतारों का वर्णन किया। महाराज श्री ने कपिल-देवहूति संवाद और ध्रुव चरित्र के प्रसंग को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भक्ति के लिए आयु की नहीं, बल्कि शुद्ध हृदय और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। जैसे बालक ध्रुव ने अपनी अटूट भक्ति से नारायण को प्राप्त किया, वैसे ही कलयुग में केवल हरि नाम संकीर्तन से ही जीव का कल्याण संभव है।

स्कूल परिसर में चल रहे नशे के कारोबार का खुलासा

» 208 शीशी अवैध नशीली कफ सिरप सहित आल्टो कार जप्त, आरोपी गिरफ्तार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार 2.0 के अंतर्गत नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र हेमंत चौहान के मार्गदर्शन, पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के नेतृत्व में थाना कोतवाली एवं जमोड़ी पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से बड़ी कार्यवाही करते हुए स्कूल परिसर में संचालित नशे के कारोबार का पर्दाफाश किया गया है। विशेष अभियान के तहत कार्यवाही जिला कलेक्टर सीधी एवं पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा स्कूल, कॉलेज एवं शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशे की बिक्री एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि गजराज स्कूल परिसर के आसपास कुछ युवक अवैध नशीली कफ सिरप का विक्रय कर रहे हैं तथा स्कूल परिसर स्थित कमरों में भारी मात्रा में नशीली कफ सिरप छिपाकर रखी गई है। सूचना पर थाना कोतवाली एवं जमोड़ी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा गजराज स्कूल परिसर में दबिश दी गई। मौके से अमन सिंह चौहान पिता जीतेन्द्र सिंह चौहान उम्र 25 वर्ष निवासी अमरवाह थाना जमोड़ी जिला सीधी को पकड़ा गया, जो स्वयं को गजराज स्कूल का डायरेक्टर बताता है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी स्कूल भवन एवं कमरों का उपयोग अवैध नशे के कारोबार के लिए स्टोर रूम एवं नशे के अड्डे के रूप में कर रहा था। आरोपी स्कूल परिसर में बड़ी मात्रा में नशीली कफ सिरप छिपाकर रखता था तथा समय-समय पर अपने साथियों के साथ आल्टो कार से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ले जाकर बिक्री करता था।

सांसद बगले के पास गैस रिसाव से मचा हड़कंप

» ऑक्सीजन से भरे ट्रक के रिसाव से दुकान बंद कर भागे व्यापारी

» मौके पर पहुंची पुलिस एवं प्रशासन की टीम, स्थिति पर पाया काबू,

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर के व्यस्ततम इलाके में देर शाम दहशत का माहौल बन गया, जब सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के बंगले के ठीक सामने गैस से भरे एक ट्रक में अचानक रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते इलाके में गैस की गंध फैलने लगी और संभावित धमाके की आशंका से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही मिनटों में सड़कें सूनी हो गईं, दुकानों के शटर गिरने लगे और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तकनीकी खराबी के चलते ट्रक से गैस का रिसाव शुरू हुआ। शुरुआत में लोगों को स्थिति की गंभीरता का अंदाजा नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे गैस फैलती गई, भय का माहौल गहराता गया। सांसद के बंगले के सामने हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र को हाई अलर्ट पर ला दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला तत्काल मौके पर पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर ट्रक के आसपास का क्षेत्र खाली कराया गया और दोनों ओर से यातायात पूरी तरह रोक दिया गया। अधिकारियों ने लोगों को मौके से दूर रहने की सलाह दी, जबकि तकनीकी टीम को तत्काल बुलाकर रिसाव नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू कराई गई। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि जैसे ही ऑक्सीजन गैस से भरा ट्रक क्रमांक जीजे 02 जेड जेड 7348 से गैस का रिसाव हो रहा है यह खबर जंगल की आग की तरह फैली। धमाके की आशंका से कई दुकानदारों ने बिना देर किए अपनी दुकानें बंद कर दीं। कुछ समय के लिए पूरे इलाके में भय और अनिश्चितता का माहौल बना रहा। लोगों के बीच एक ही चर्चा थी कि यदि समय रहते स्थिति नहीं संभाली जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और सतर्कता के चलते आखिरकार स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। तकनीकी विशेषज्ञों ने रिसाव को रोक दिया और ट्रक की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। राहत की बात यह रही कि इस पूरे घटनाक्रम में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कुछ देर के लिए सीधी शहर ने एक संभावित बड़े हादसे का खतरा बेहद करीब से महसूस किया।

ईद-ए-अजहा को लेकर प्रशासन अलर्ट अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी, गत। आगामी मुस्लिम पर्व ईद-ए-अजहा (बकरीद) को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने सभी विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चांद दिखने के आधार पर पर्व 27 या 28 मई को मनाया जाएगा। जिले की मस्जिदों एवं ईदगाहों में सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक नमाज अदा की जाएगी। प्रशासन ने साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, पुलिस बल तैनाती तथा यातायात व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए हैं। नमाज स्थलों तक जाने वाले मार्गों की मरम्मत, ब्लीचिंग पाउडर छिड़काव एवं आवारा पशुओं को हटाने की

कार्रवाई भी की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी पंचायत विभाग को दी गई है। वहीं शांति समिति की बैठक आयोजित कर सामाजिक समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

रामपुर में अवैध प्लाटिंग पर डीएम अजय द्विवेदी का ताबड़तोड़ अभियान, मचा हड़कंप

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश/जिले में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ जिलाधिकारी अजय द्विवेदी द्वारा लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बिना अनुमति के की जा रही अवैध कॉलोनियों और प्लाटिंग पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। डीएम अजय द्विवेदी इस मामले को लेकर पूरी तरह चौकन्ने और सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। प्रशासन की टीमों द्वारा कई स्थानों पर जांच अभियान चलाकर अवैध रूप से किए जा रहे निर्माण कार्यों और प्लाटिंग की जानकारी जुटाई जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना नक्शा पास कराए और नियमों का पालन किए बिना की जा रही प्लाटिंग को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएम अजय द्विवेदी के निर्देश पर संबंधित विभागों को सख्ती के साथ कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। वहीं प्रशासन के इस ताबड़तोड़ अभियान से अवैध कॉलोनी काटने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में अवैध प्लाटिंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर मुकदमा दर्ज कराकर संपत्ति जब्ती की कार्रवाई भी

की जाएगी। रामपुर प्रशासन का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने मंदबुद्धि युवक को परिवार को सौप इंसानियत की मिसाल पेश की

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा ने एक मंदबुद्धि युवक जो 14 मई से लापता था और वह घूमता हुआ नीरज शर्मा के गांव ओसा माफी में पहुंच गया था, इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा ने जानकारी निकालकर मंदबुद्धि युवक लखपत को उसके भाई मनोज पुत्र भूप सिंह निवासी ग्राम बाईखेड़ा थाना हसनपुर को हसनपुर कोतवाली में पहुंचकर परिवार को सौंप दिया, जहां एक और लखपत के भाई मनोज व उनके परिवार में लापता भाई के मिलने से खुशी की लहर दौड़ी है वही नीरज शर्मा पुत्र दौलत राम शर्मा निवासी ग्राम ओसा माफी जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आईटीआई परिषद अमरोहा की भी क्षेत्र में भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है, वहीं इस संबंध में नीरज शर्मा ने बताया कि लापता युवक को ढूंढ कर देने वाले को 21000 का इनाम भी घोषित था लेकिन मानवता की खातिर उन्होंने वह इनाम की रकम लेने से भी इंकार कर दिया, वहीं उन्होंने बताया कि मंदबुद्धि युवक लखपत को जब उन्होंने गांव में घूमते हुए देखा तो वह गांव के मौजूद लोगों की मौजूदगी में अपने साथ अपने घर ले गए जहां उन्होंने मंदबुद्धि युवक को खाना पीना खिलाया तथा उससे जानकारी हासिल की और परिजनों से संपर्क शाद कर हसनपुर कोतवाली में पुलिस की मौजूदगी में परिजनों को सौंप दिया, जिसको लेकर क्षेत्र में उनकी प्रशंसा हो रही है ।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन, प्रधानमंत्री को सदन में बुलाने की मांग

काठमांडू। संसद की प्रतिनिधि सभा की बैठक में प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उपस्थित न होने पर विपक्षी दलों का विरोध गुरुवार को भी जारी रहा। सदन में प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस सहित यूएमएल, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा), श्रम संस्कृति पार्टी और राप्रपा के सांसदों ने विरोध दर्ज कराया। स्पीकर डोल प्रसाद (डीपी) अर्याल ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की ओर से 'प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन (पहला संशोधन) विधेयक' पर विचार किए जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति कानून, न्याय एवं संसदीय मामलों की मंत्री सोबिता गौतम को दी थी। गुरुवार को भी प्रधानमंत्री के सदन में न आने पर विपक्षी दलों के सांसद खड़े होकर विरोध जताने लगे। उनका कहना था कि प्रतिनिधि सभा के नियमावली के अनुसार प्रधानमंत्री का सदन में उपस्थित होना आवश्यक है। प्रतिनिधि सभा नियमावली की धारा 56 (1) में प्रत्येक महीने के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित करने का प्रावधान है। विपक्षी दलों का कहना है कि उसी व्यवस्था के अनुसार प्रधानमंत्री को सदन में उपस्थित होना चाहिए। इस महीने का आखिरी सप्ताह आने के कारण भी विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की संसद में उपस्थिति पर जोर दिया। विपक्षी सांसदों ने कहा कि जब तक प्रधानमंत्री शाह संसद में नहीं आते, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरुंग के खिलाफ समिति ने शुरू की जांच

काठमांडू। नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरुंग के खिलाफ जांच के लिए गठित समिति ने विभिन्न कार्यालयों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। आज इस जांच समिति की पहली बैठक में पहले दस्तावेज और जानकारी एकत्र करने तथा उसके बाद गुरुंग से पूछताछ कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया है। समिति ने शेयर बोर्ड, जमीन खरीद से जुड़े मामले के लिए मालपोत कार्यालय और अस्वाभाविक लेनदेन से जुड़े आरोप के लिए बैंकों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। समिति आवश्यकता पड़ने पर अन्य कार्यालयों को भी पत्र भेज सकती है।

मंत्री बनने के बाद संपत्ति विवरण सार्वजनिक होने के साथ ही गुरुंग विवादों में घिर गए थे। शुरुआत में उनके पास कानूनी सीमा से अधिक जमीन होने का खुलासा हुआ था। हाल के दिनों में असामान्य तरीके से संपत्ति बढ़ाने के आरोपों से जुड़े विवरण भी सार्वजनिक हुए हैं। जेल में बंद विवादित व्यवसायी दीपक भट्ट से जुड़ी कंपनी में संस्थापक शेयरधारक पाए जाने के बाद गुरुंग ने इस्तीफा दे दिया था। भट्ट को पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने गिरफ्तार कर जांच शुरू कर रखी है। पुलिस जांच के दायरे में आए व्यक्ति के साथ गृहमंत्री के संबंध सामने आने के बाद सार्वजनिक रूप से सवाल उठे थे। २७ मार्च को गृहमंत्री गुरुंग ने २२ अप्रैल को इस्तीफा दिया था। इसके बाद ११ मई को हुई मंत्रिपरिषद बैठक ने उच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश अच्युत प्रसाद भण्डारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की। इस जांच समिति में महालेखा नियंत्रक शोभाकान्त पौडेल और महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के सह न्यायाधिवक्ता अच्युतमणि न्यौपाने सदस्य हैं। न्यौपाने ने कहा, "शुरुआत में गुरुंग से जुड़े मामलों में संबंधित कार्यालयों को पत्र भेजकर दस्तावेज मंगाए गए हैं। शेयर, जमीन और बैंकिंग कारोबार से जुड़े विवरण हम मांग चुके हैं। दस्तावेज आने के बाद आगे अध्ययन और बयान लेने की प्रक्रिया शुरू होगी।"

13 साल की बच्ची की 42 वर्षीय युवक से शादी, पोते की शादी के लिए कर दिया पोती का सौदा

इंदौर। इंदौर के रंगवासा क्षेत्र से बाल विवाह का मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने और सामाजिक दबाव के चलते 13 साल की बच्ची की शादी जबरन 42 साल के युवक से करा दी गई। राऊ पुलिस ने बुधवार को दूल्हे, उसके परिजन और बच्ची के दादा-दादी सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि यह पूरा मामला एक शर्त और पारिवारिक दबाव के कारण हुआ। रंगवासा निवासी बुजुर्ग दादा को अपने 19 साल के पोते के लिए बहू लाना थी। पोते की पत्नी (यानी बच्ची की भाभी) ने शर्त रखी थी कि वह इस घर में शादी तभी करेगी, जब उसकी ननद (बच्ची) की शादी उसके सगे चाचा (42 वर्षीय युवक) से कराई जाएगी। पोते के घर बसाने की इस शर्त को पूरा करने के लिए दादा-दादी ने अपनी ही मासूम पोती का सौदा कर दिया। इस बाल विवाह की भनक महिला एवं बाल विकास विभाग को पहले ही लग गई थी। 25 अप्रैल को होने वाले इस विवाह को लेकर फ्लाइंग स्क्वाड की टीम ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाइश दी थी, जिसके बाद परिजन ने लिखित आश्वासन दिया था कि वे शादी नहीं करेंगे। 26 अप्रैल की रात को लड़के वाले इंदौर आए और नाबालिग बच्ची व उसके 19 वर्षीय भाई को चोरी-छिपे उज्जैन ले गए। वहां चिंतामन गणेश मंदिर के बाहर दोनों को दूल्हा-दुल्हन के कपड़े पहनाए गए और रात के अंधेरे में मांग भरकर विवाह संपन्न करा दिया गया। शादी के बाद ससुराल पक्ष दोनों बच्चों को वापस इंदौर के रंगवासा छोड़ गया और दोनों दूल्हे बिना दुल्हन के अपने गांव दयाखेड़ा (सांवेर) लौट गए।

हिमाचल के 5 शहरों में हीटवेव, गर्मी से लोग बेहाल, 25 मई तक हल्की बारिश के आसार

शिमला। हिमाचल प्रदेश में तीन दिन से हीटवेव महसूस की जा रही है। आज (गुरुवार को) भी पांच शहरों में हीटवेव चली। मौसम विभाग के अनुसार- शिमला, धर्मशाला, पालमपुर, सोलन और ऊना में हीटवेव से लोग बेहाल रहे। राज्य में बढ़ती गर्मी के बाद दिन के वक्त लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। राहत की बात यह है कि आज रात, अगले कल और परसों कुछेक भागों में हल्की बारिश हो सकती है। मगर बारिश के साथ कल के लिए चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिला में भारी ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट दिया गया है, जबकि ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, सोलन और सिरमौर जिला में येलो अलर्ट की चेतावनी दी गई। यानी राहत के साथ ओलावृष्टि आफत बनकर बरस सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ती गर्मी के खतरे को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने की एडवाइजरी जारी की है। राज्य में दो दिन से चल रही हीटवेव के कारण स्कूली बच्चों, नौकरी पेशा और कामकाजी लोगों स्कूल-दफ्तर व अपने काम पर आते जाते वक्त भीषण गर्मी से जूझना पड़ रहा है। सुबह 10 बजे के बाद ही घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। हीटवेव के कारण तापमान में निरंतर उछाल आ रहा है। इस बीच ऊना का अधिकतम तापमान नॉर्मल से 5.1 डिग्री ज्यादा के साथ 44.0 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। पांवटा साहिब सब डिवीजन में गर्मी को देखते हुए स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव करना पड़ा है। मैदानी इलाकों के साथ साथ अब मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी गर्मी से तपने लगे हैं। शिमला का पारा सामान्य से 5.5 डिग्री ज्यादा के साथ 30.5 डिग्री पहुंच गया है। अन्य शहरों के तापमान में भी उछाल दर्ज किया गया। आज इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मप्र की पटाखा फैक्टरी ब्लास्ट का मुख्य आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी, भोपाल/देवास

- विदेश से लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया
- अब तक 5 आरोपित पुलिस की गिरफ्त में

मध्य प्रदेश के देवास जिले में हुए भीषण पटाखा फैक्टरी ब्लास्ट मामले में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। हादसे के बाद से ही देश से बाहर फरार चल रहे फैक्टरी के असली मालिक और मुख्य आरोपित मुकेश विज को पुलिस ने चीन से लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया। मुकेश गुरुवार को ही चीन के ग्वांग्झू शहर से भारत लौटा था। बीती 14 मई को देवास के टोंककलां इलाके में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में सुबह करीब 11:30 बजे एक के बाद एक कई जोरदार धमाके हुए थे। यह ब्लास्ट इतना बड़ा था कि आसपास के मकान तक हिल गए और फैक्टरी की दीवारें मलबे में तब्दील हो गईं। इस दिल दहला देने वाले हादसे में 20 से ज्यादा मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार के रहने वाले 6 मजदूरों (धीरज, सनी, सुमित, अमर और गुड्डू समेत अन्य) की मौत हो गई थी।

देवास एसपी पुनीत गेहलोद ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 13 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था और फरार आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी

घोषित किया था। पुलिस की मुस्तैदी के चलते पिछले 6 दिनों के भीतर इस मामले में 5 मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुकेश विज घटना का मुख्य आरोपित है। दिल्ली का रहने वाला मुकेश विज इस फैक्ट्री का असली कर्ताधर्ता है, जो बेनामी निवेश कर इसे चला रहा था। जिसे आज दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। देवास पुलिस ने मुकेश विज की गिरफ्तारी के लिए देशव्यापी 'लुक आउट सर्कुलर' जारी किया था। इसके चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर ही उसकी पहचान हुई और उसे हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस की विशेष टीम ने इस मामले में उत्तराखंड निवासी एक अन्य फरार आरोपित महेश चौहान को भी दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इससे पहले फैक्टरी के संयुक्त संचालक कपिल विज को दो दिन पहले दिल्ली से ही पकड़ा गया था। जबकि पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर कारखाना के लाइसेंसी अनिल मालवीय और मुख्य ठेकेदार मोहम्मद अयाज को गिरफ्तार किया था। इस तरह अब तक 6 दिन के भीतर 5 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि यह पटाखा फैक्टरी महज छह महीने पहले ही शुरू की गई थी। घायल मजदूरों के बयानों के मुताबिक, बारिश से पहले पटाखों का एक बहुत बड़ा ऑर्डर पूरा करने के दबाव में फैक्टरी में तय सीमा से कहीं ज्यादा विस्फोटक लाकर रखा गया था। फैक्टरी का लाइसेंस भले ही स्थानीय निवासी अनिल मालवीय के नाम पर था, लेकिन इसका पूरा संचालन और वित्तीय निवेश दिल्ली का मुकेश विज कर रहा था।

मणिपुर में 67 हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद, 4 उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर पुलिस और संयुक्त सुरक्षा बलों ने राज्य में हथियारों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 67 हथियारों और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। इस अभियान के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ (पी) से जुड़े चार आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा गुरुवार को जारी बयान के अनुसार, 20 मई को सुरक्षा एजेंसियों को लामशांग क्षेत्र में लूटे गए हथियारों और गोला-बारूद की बिक्री की कोशिशों की विश्वसनीय सूचना मिली थी। इसके बाद लामशांग थाना क्षेत्र के लामदेंग इलाके में आज विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने यूएनएलएफ (पी) के दो सक्रिय कैडरों - मायांग इंफाल कोकचाई निवासी हेशनाम थॉमस सिंह (29) तथा लामशांग हेइबोंगपोकपी मयाई लेइकाई निवासी अरामबाम टॉमटॉम सिंह (29) को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से एक इंसास लाइट मशीन गन (एलएमजी), तीन इंसास एलएमजी मैगजीन और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक, अभियान के दौरान गिरफ्तार आरोपितों के कुछ सहयोगियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद कुछ समय तक दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इसके बाद निंगथौजाम राकेश सिंह और चिंगाखाम महेश सिंह नामक दो अन्य व्यक्तियों को सुरक्षा बलों पर हमला करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वे यूएनएलएफ (पी) के स्वयंभू लांस कॉर्पोरल नाओरेम बिजॉय उर्फ माचा के निर्देश पर हथियार बेचने आए थे। पूछताछ में उनके पहले भी लूटे गए हथियारों और गोला-बारूद की बिक्री में शामिल होने की बात सामने आई है। आरोपितों से मिली जानकारी के आधार पर मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने लामदेंग स्थित यूएनएलएफ (पी) के एक कथित अवैध कैंप में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

नैनीताल जिले में खाई में गिरी कार, एक परिवार के चार सदस्यों सहित पांच की मौत

एजेंसी, नैनीताल

भवाली क्षेत्र के सेनेटोरियम-रातीघाट बाइपास मार्ग पर गुरुवार अपराह्न एक महिंद्रा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में कारसवार पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य और कार चालक है। ये सभी कैंचीधाम जा रहे थे।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया और स्थानीय प्रशासन को यथासंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए।

नैनीताल पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी भूपेंद्र सिंह चुफाल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कैंचीधाम जा रहे थे। सेनेटोरियम-रातीघाट बाइपास रोड पर ढैला गांव से लगभग 500 मीटर पूर्व उनकी कर अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। राहत अभियान के दौरान एसडीआरएफ एवं पुलिस टीम ने सभी शवों को खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाया। दुर्घटनाग्रस्त कार में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा का शव मिला।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान भूपेंद्र सिंह चुफाल (48 वर्ष), उनकी पत्नी सीमा कैड़ा चुफाल (45 वर्ष), पुत्र वासु चुफाल (19 वर्ष), पुत्री रवी

चुफाल (12 वर्ष) व वाहन चालक अनुज कुमार मिश्रा (34 वर्ष) के रूप में हुई है। अनुज कुमार मिश्रा पुत्र दया सागर मिश्रा, अफसर नगर एलपीजी गोदाम, आलम नगर लखनऊ के निवासी थे। जिस मार्ग पर दुर्घटना हुई है, वह कैंची धाम के लिए बाइपास के रूप में प्रस्तावित है और अभी इसका निर्माण ही चल रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस वाहन दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अपराध डॉ. जगदीश चंद्र, क्षेत्राधिकारी रविकांत सेमवाल और प्रभारी निरीक्षक प्रकाश मेहरा सहित पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

शिमला एयर कनेक्टिविटी पर हिमाचल हाईकोर्ट सख्त, केंद्र सरकार को नोटिस जारी

एजेंसी, शिमला

हिमाचल हाईकोर्ट ने शिमला की हवाई सेवाओं को लेकर केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि भविष्य में शिमला की एयर कनेक्टिविटी में कोई रुकावट न आए। कोर्ट ने इसे लेकर केंद्र सरकार से कहा कि अगली सुनवाई तक हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए। चीफ जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया और जस्टिस बीसी नेगी की बैंच ने यह भी पूछा कि संशोधित उड़ान योजना कब लागू होगी और चंडीगढ़-शिमला रूट पर ट्विन इंजन हेलीकॉप्टर सेवा कितनी संभव है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि शिमला एयरपोर्ट पहाड़ी इलाके में होने के कारण सीमित सुविधाओं वाला एयरपोर्ट है और यहां रनवे बढ़ाने की गुंजाइश नहीं है।

फिलहाल केवल दो ATR-42 और एक हिंदुस्तान-228 विमान ही ऑपरेट हो सकते हैं। इनमें से एक ATR विमान दिल्ली-शिमला रूट पर 11 मई 2026 से फिर शुरू किया गया है। सरकार ने कहा कि पहले उड़ानें बंद होने की वजह किसी लापरवाही से नहीं, बल्कि फंडिंग अवधि खत्म होने और उपयुक्त विमान उपलब्ध न होने के कारण थी। नई उड़ान योजना जल्द लागू की जाएगी।

कोर्ट को यह भी बताया गया कि चंडीगढ़-शिमला हेलीकॉप्टर सेवा के लिए ट्विन इंजन हेलीकॉप्टर पर

- सेवाएं जारी रखने के आदेश

विचार हो रहा है। फिलहाल पवन हंस की सिंगल इंजन हेलीकॉप्टर सेवा चल रही है, जिसमें केवल 4 से 6 यात्री सफर कर सकते हैं और यह सप्ताह में सिर्फ तीन दिन चलती है। कोर्ट ने माना कि यह सेवा पर्याप्त नहीं है।

ट्विन इंजन हेलीकॉप्टर में ज्यादा यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे: कोर्ट ने कहा कि ट्विन इंजन हेलीकॉप्टर ज्यादा यात्रियों और सामान के साथ बेहतर सेवा दे सकता है। साथ ही राज्य सरकार से पूछा गया है कि क्या ऐसे हेलीकॉप्टर की लैंडिंग जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट के अलावा शिमला या संजौली के पास किसी अन्य जगह भी कराई जा सकती है, क्योंकि जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर है। बता दें कि दिल्ली से शिमला के बीच हवाई सेवाएं सात महीने से बंद पड़ी थी, जो कि बीते 11 मई को ही बहाल की गई है।

प्रधानमंत्री की पांच देशों की यात्रा को भाजपा ने बताया महत्वपूर्ण व रणनीतिक दौरा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की यात्रा को देश के लिए "महत्वपूर्ण और रणनीतिक दौरा" करार देते हुए कहा कि इससे भारत के व्यापार, निवेश और वैश्विक साझेदारी को मजबूती मिली है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं से भारत के व्यापार, निवेश और वैश्विक साझेदारी को मजबूती मिली है। भारत आज दुनिया के साथ "मजबूत स्थिति" से बातचीत कर रहा है और कई देशों के साथ आर्थिक संबंध लगातार बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय यात्रा, डिप्लोमेटिक पॉलिटिकल स्टेज पर नहीं थी, बल्कि इसने बड़े परिणाम भारत के भविष्य के लिए उत्पन्न किए। इस यात्रा में मोदी जी भारत के हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ लेकर आए हैं। अगर हम यात्रा के निष्कर्ष को देखें तो जैसे यूएई ने 75 से 100 बिलियन डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता जताए है और इस यात्रा में लगभग 45 हजार करोड़ यानी, लगभग 5 बिलियन डॉलर के कमिटमेंट्स

को पूर्णतः अप्रूव किया गया और वो भारत में आने के लिए तैयार हो गए।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की हालिया पांच देशों की यात्रा के दौरान यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और तकनीक समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

विपक्ष के सवालों पर गोयल ने कहा कि एक तरफ पूरा विश्व भारत और प्रधानमंत्री पर भरोसा जता रहा है, वहीं राहुल गांधी अपने बयानों और भाषणों में लगातार नकारात्मक सोच दिखा रहे हैं। गोयल ने कहा, "भारत की जनता राहुल गांधी को बार-बार नकार रही है। उनकी हताशा, उनकी मानसिकता और प्रधानमंत्री के खिलाफ इस्तेमाल की जा रही अपमानजनक भाषा साफ दिखाई देती है।" उन्होंने कहा, "क्या नक्सलवाद को खत्म करना देशद्रोह है? या कांग्रेस शासन में वर्षों तक नक्सलवाद को पनपने देना देशद्रोह था? कांग्रेस और गांधी परिवार जिस तरह घुसपैठियों का समर्थन करते हैं, वह देशद्रोह है।" मंत्री ने कहा, "वैश्विक मंच पर भारतीय तिरंगे का सम्मान करना देशद्रोह है या विदेश में तिरंगे का अपमान करना? आतंकवाद की कमर तोड़ना और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देना देशद्रोह है, या आतंकवादियों को बिरयानी खिलाना और उनसे समझौता करना देशद्रोह था?"

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह उनकी कमजोरी को दर्शाती है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही है। पांचों देश में मोदी जी का भव्य स्वागत हुआ, अलग-अलग कार्यक्रम हुए, मूल भारत के लोगों ने उनका सम्मान किया। भारत को तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मान मिले। एक प्रकार से पांच देश, पांच दिन... एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत विश्व पटल पर बड़ी मजबूती के साथ खड़ा है।

टॉय कार से निकला तार बच्चे की आंख में घुसा

एजेंसी, पाली

खेलते समय टॉय कार से तार निकलकर 8 साल के बच्चे की आंख में घुस गया। दर्द से बच्चा छटपटाने लगा। उसकी चीख सुनकर पेरेंट्स दौड़े। बच्चे की आंख में घुसकर तार बाहर की तरफ लटक रहा था। उसे फौरन हॉस्पिटल ले जाया गया। यह पूरा मामला पाली शहर के इंद्रा कॉलोनी का है।

घर में खेलते समय हुआ हादसा: इंद्रा कॉलोनी में रहने वाले बलवीर सिंह का बेटा कुलदीप (8) बुधवार देर शाम घर में रिमोट वाली कार (खिलौना) से खेल रहा था। अचानक कार का तार झटके से निकला और सीधे मासूम की आंख में जा घुसा। तार पुतली के नीचे फंसकर लटक गया। बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार वाले मौके पर पहुंचे। रात करीब साढ़े दस बजे उसे बांगड़ हॉस्पिटल लेकर आए। बलवीर सिंह ने बताया- बेटे की जिद पर बुधवार को

- घर में खेलते समय हादसा, पिता ने एक दिन पहले 250 रुपए में दिलाई थी

ही 250 रुपए में रिमोट कार खरीदकर दी थी। हॉस्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विपुल नागर ने बताया- बच्चे को ट्रॉमा सेंटर में लाया गया था। सूचना मिलने पर डॉ. सुभाष सैनी, डॉ. रिया और डॉ. अंकिता की टीम ने आंख में फंसे तार को सफलतापूर्वक निकाल दिया। बच्चे को गुरुवार सुबह दोबारा जांच के लिए बुलाया गया था। उसकी आंख सुरक्षित है।

डीआरआई ने 120 करोड़ मूल्य की तीन लाख ई-सिगरेट/वेप्स जब्त कीं

एजेंसी, नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में ई-सिगरेट की तस्करी करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 120 करोड़ रुपये मूल्य की तीन लाख ई-सिगरेट/वेप्स जब्त की हैं। वित्त मंत्रालय ने गुरवार को एक बयान में बताया कि डीआरआई ने प्रतिबंधित निकोटीन उत्पादों के अवैध आयात के विरूद्ध एक बड़ी कार्रवाई में पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल के कई बंदरगाहों, हवाई अड्डों और आईसीडी (सूचना नियंत्रण केंद्र) में चलाए गए अपने अभियानों में व्यापक स्तर पर ई-सिगरेट (वेप) तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

मंत्रालय के मुताबिक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई ने सीमा शुल्क जांच से बचने के लिए गलत तरीके से घोषित किए गए कई संदिग्ध आयात खेपों की पहचान की, उन पर नज़र रखी और उन्हें जब्त किया। विस्तृत जांच के परिणामस्वरूप विभिन्न ब्रांडों, स्वादों और विशिष्टताओं की लगभग तीन लाख इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट/वेप्स जब्त की गई, जिनकी कीमत 120 करोड़ रुपये से अधिक है। इन प्रतिबंधित ई-सिगरेटों को हर बार चीन से मंगाया गया था और इन्हें "फर्नीचर" और "धातु की कुर्सी के पुर्जों" जैसी वस्तुओं में छिपाकर आयात किया गया था। भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और सभी इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन वितरण प्रणालियां (ईएनडी) सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में और लोगों को नुकसान से बचाने के लिए अधिनियमित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत प्रतिबंधित हैं।

बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य कर दिया है। यह आदेश 19 मई को जारी किया गया। जानकारी गुरुवार को सामने आई। सरकार के आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। नए आदेश के बाद अब क्लास शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना सभा (असेंबली) में वंदे मातरम गाना जरूरी होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान 'जन गण मन' और कवि गुलाम मुस्तफा की 'अनंत असीम प्रेममय तुमी' (बांग्ला गीत) गाया जाता था। अब सभी मदरसों को इस आदेश को लागू करने के बाद इसकी रिपोर्ट भी विभाग को सौंपनी होगी।

BSF को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन सौंपना- भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा

मजबूत करने और बाड़ (फेंसिंग) लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (BSF) को 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर दी जाएगी, जिससे सीमा से जुड़ा पुराना विवाद खत्म होगा। बंगाल में CAA की प्रक्रिया शुरू- CAA के तहत आने वाले 7 समुदायों और 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए लोगों को नागरिकता कानून का लाभ मिलेगा। पुलिस उन्हें हिरासत में नहीं ले सकेगी। आयुष्मान भारत और केंद्रीय योजनाओं को लागू करना- पश्चिम बंगाल सरकार अब

- सीएए लागू, बीएसएफ को फेंसिंग के लिए जमीन दी
- 12 दिन में सरकार के 12 फैसले

केंद्र सरकार की 'आयुष्मान भारत' योजना से जुड़ गई है, जिसके तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। जनगणना को शुरू करने का फैसला- राज्य में काफी समय से अटकी पड़ी जनगणना को तुरंत शुरू करने के लिए प्रशासनिक आदेश जारी कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के जून 2025 के इस आदेश पर पिछली सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया था। सरकारी नौकरियों की उम्र सीमा में छूट- सरकारी नौकरियों और शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने आवेदन की उम्र सीमा में 5 साल की छूट देने का फैसला किया है।

सुंदरता बनाम सुरक्षा-औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 और सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाईजेशन (सीडीएससीओ) की सख़्ती- कॉस्मेटिक इंजेक्शन के नाम पर बढ़ते स्वास्थ्य खतरे पर बड़ा प्रहार- समग्र व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» सुंदरता की अंधी दौड़ पर सरकार की रोक- औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 और सीडीएससीओ की नई चेतावनी 21 मई 2026 को जारी

» कॉस्मेटिक उत्पाद का उपयोग इंजेक्शन के रूप में नहीं किया जा सकता-दोषियों के खिलाफ़ औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई -एक वर्ष तक की कैद, 20 हजार रुपये जुर्माना या दोनों हो सकते हैं -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज के दौर में सुंदर दिखने की चाहत तेजी से बढ़ती जा रही है।ग्लोइंग स्किन,इंस्टेंट फेयरनेस, एंटी- एजिंग ट्रीटमेंट,स्किन टाइटनिंग और बिना सर्जरी खूबसूरती पाने की होड़ ने कॉस्मेटिक और ब्यूटी इंडस्ट्री को विशाल बाजार में बदल दिया है।सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स,ऑनलाइन विज्ञापन औरतथाकथित "इंस्टेंट रिजल्ट" देने वाले क्लीनिक लोगों को तेजी से आकर्षित कर रहे हैं।लेकिन इसी चमक-दमक के पीछे एक खतरनाक सच भी छिपा हुआ है। अनेक ब्यूटी क्लीनिक और अवैध केंद्र कॉस्मेटिक उत्पादों का इस्तेमाल इंजेक्शन के रूप में कर रहे हैं, जबकि ऐसे उत्पाद केवल बाहरी उपयोग के लिए बनाए जाते हैं। कई स्थानों पर बिना प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा इंजेक्शन आधारित तथाकथित ब्यूटी ट्रीटमेंट किए जा रहे हैं, जिससे लोगों की सेहत के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। इसी बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने अब कड़ा रुख अपनाया है।भारत की दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाईजेशन ने दिनांक 21 मई 2026 को सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी कॉस्मेटिक उत्पाद का उपयोग इंजेक्शन के रूप में नहीं किया जा सकता। संस्था ने चेतावनी दी है कि ऐसा करना कानून का उल्लंघन माना जाएगा और दोषियों के खिलाफ औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि सरकार का यह कदम केवल नियम लागू करने भर का मामला नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य जोखिमों से बचाने और ब्यूटी इंडस्ट्री में फैल रही अनियमितताओं पर रोक लगाने की दिशा में बड़ा हस्तक्षेप माना जा रहा है।भारत की दवा नियामक संस्था सीडीएससीओ द्वारा जारी नोटिस में साफ कहा गया है कि "कॉस्मेटिक" उत्पादों का उपयोग केवल बाहरी प्रयोग के लिए होता है।उन्हें इंजेक्शन, इन्फ्यूजन या शरीर के अंदर प्रवेश कराने वाली किसी भी प्रक्रिया में उपयोग नहीं किया जा सकता। कानून के अनुसार कॉस्मेटिक का उद्देश्य केवल त्वचा की सफाई, सुगंध, सुंदरता बढ़ाना या बाहरी रूप को आकर्षक बनाना होता है।यदि किसी उत्पाद को इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में प्रवेश कराया जाता है,तो वह सामान्य कॉस्मेटिक की श्रेणी से बाहर हो जाता है और उसके लिए अलग चिकित्सीय अनुमति तथा वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक होते हैं। यही कारण है कि सीडीएससीओ ने स्पष्ट किया कि कॉस्मेटिक उत्पादों को इंजेक्शन के रूप में प्रयोग करना नियमों का सीधा उल्लंघन है। साथियों बात अगर हम इस संबंध में बनाए गए कानून को समझने की करें तो एडवोकेट होने के नाते बता दूं इस मामले में कार्रवाई के लिए औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 की कई धाराएं लागू हो सकती हैं। धारा 18 के अंतर्गत ऐसे कॉस्मेटिक्स के निर्माण, बिक्री, वितरण या उपयोग पर रोक लगाई गई है जो मानक- विरुद्ध,भ्रामक या नियमों का उल्लंघन करने वाले हों। धारा 17सी "मिसब्रांडेड कॉस्मेटिक्स" से संबंधित है, जिसके अंतर्गत गलत दावे, भ्रामक लेबलिंग या झूठे प्रचार वाले उत्पाद आते हैं। इसी प्रकार धारा 26ए केंद्र सरकार को यह अधिकार देती है कि वह जनहित में किसी कॉस्मेटिक के निर्माण, बिक्री या उपयोग पर प्रतिबंध लगा सके। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर धारा 27 ए के तहत सजा का प्रावधान किया गया है। यदि कोई कॉस्मेटिक नकली या मिलावटी पाया जाता है, तो अधिकतम तीन वर्ष तक की कैद तथा न्यूनतम 50 हजार रुपये या उत्पाद की कीमत के तीन गुना तक जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं यदि किसी कॉस्मेटिक का उपयोग नियमों के विरुद्ध,जैसे इंजेक्शन के रूप में किया जाता है, तो अधिकतम एक वर्ष तक की कैद, 20 हजार रुपये तक जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यदि केंद्र सरकार द्वारा जारीप्रतिबंधात्मक आदेशों का उल्लंघन होता है, तो धारा 28बी के तहत भी कठोर दंड का प्रावधान है। इससे स्पष्ट है कि सीडीएससीओ की चेतावनी केवल सलाह नहीं, बल्कि पूर्णतः कानूनी और दंडनीय विषय है। साथियों बात अगर हम सरकार द्वारा जारी किए गए

नोटिस की करें तो,सरकार की चिंता केवल नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गंभीर स्वास्थ्य खतरे भी जुड़े हुए हैं। बीते कुछ वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर स्किन व्हाइटनिंग इंजेक्शन,ग्लूटाथियोन इंजेक्शन, इंस्टेंट ग्लो थेरेपी, एंटी-एजिंग इंजेक्शन और फेस लिफ्ट इंजेक्शन जैसे शब्द तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। इनका प्रचार इस तरह किया जाता है मानो कुछ मिनटों में व्यक्ति की त्वचा पूरी तरह बदल जाएगी। कई क्लीनिक इन प्रक्रियाओं को वैज्ञानिक और सुरक्षित बताकर लोगों को आकर्षित करते हैं, जबकि अनेक मामलों में इनके पीछे पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाण नहीं होते। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई जगह बिना प्रशिक्षित या गैर-चिकित्सकीय व्यक्ति भी ऐसे इंजेक्शन लगा रहे हैं। इससे संक्रमण, एलर्जी, त्वचा खराब होना, नसों को नुकसान, हार्मोनल असंतुलन और यहां तक कि जीवन के लिए खतरा पैदा होने की आशंका रहती है।विशेषज्ञों के अनुसार इंजेक्शन आधारित कोई भी प्रक्रिया शरीर के अंदरूनी सिस्टम को प्रभावित करती है। यदि किसी पदार्थ की शुद्धता, डोज, उपयोग की विधि और चिकित्सकीय निगरानी सही न हो, तो उसके गंभीर दुष्परिणाम हो सकते हैं।गलत तरीके से लगाए गए इंजेक्शन से सेप्सिस, त्वचा की स्थायी क्षति, चेहरे की विकृति, लीवर और किडनी पर असर तथा प्रतिरक्षा प्रणाली में गड़बड़ी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यही कारण है कि मेडिकल साइंस में इंजेक्शन प्रक्रियाओं को केवल प्रशिक्षित चिकित्सकों की निगरानी में ही अनुमति दी जाती है। सरकार का मानना है कि सौंदर्य उपचार के नाम पर लोगों की भावनाओं और असुरक्षाओं का फायदा उठाकर अवैज्ञानिक उपचार बेचना अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति बन चुकी है। साथियों बात अगर हम भारत के औषधि महानियंत्रक की ओर से जारी चेतावनी को समझने की करें तो इसमें यह भी स्पष्ट किया गया कि कोई भी कंपनी या विक्रेता ऐसे दावे नहीं कर सकता जो उपभोक्ताओं को गुमराह करें। यदि किसी उत्पाद के लेबल, पैकेजिंग या विज्ञापन में यह प्रचार किया जाता है कि वह बीमारी का इलाज करेगा, त्वचा को स्थायी रूप से गोरा बनाएगा यामेडिकल ट्रीटमेंट जैसा प्रभाव देगा, तो यह कानून के खिलाफ माना जाएगा।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि झूठे विज्ञापन, बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावे, गलत जानकारी वाले लेबल और प्रतिबंधित रसायनों का उपयोग पूरी तरह गैरकानूनी है। ऐसे मामलों में संबंधित कंपनी, क्लीनिक या वितरक के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। साथियों, आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने ब्यूटी इंडस्ट्री को अभूतपूर्व गति दी है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स पर "पहले और बाद" की तस्वीरें दिखाकर लोगों को प्रभावित किया जाता है। युवा वर्ग, विशेषकर किशोर और महिलाएं, इन विज्ञापनों से जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। कई बार सेलिब्रिटी और इन्फ्लुएंसर भी ऐसे उत्पादों का प्रचार करते हैं, जिससे आम लोगों में भरोसा पैदा होता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन दावों की वैज्ञानिक जांच बहुत कम होती है। अनेक उत्पादों में स्टेरॉयड, हानिकारक केमिकल या अनधिकृत पदार्थ पाए गए हैं। यही वजह है कि सरकार अब केवल उत्पादों पर ही नहीं, बल्कि उनके प्रचार- प्रसार के तरीकों पर भी नजर रख रही है।कॉस्मेटिक्स और मेडिकल ट्रीटमेंट के बीच का अंतर समझना बेहद आवश्यक है। कॉस्मेटिक उत्पाद केवल बाहरी उपयोग के लिए होते हैं, जैसे क्रीम, लोशन, फेस वॉश, मेकअप या परफ्यूम। इनका उद्देश्य केवल साफ-सफाई और बाहरी सुंदरता बढ़ाना होता है। दूसरी ओर इंजेक्शन, फिलर्स, बोटॉक्स या अन्य मेडिकल प्रक्रियाएं शरीर की अंदरूनी संरचना और जैविक प्रणाली को प्रभावित करती हैं। इसलिए इन्हें केवल योग्य चिकित्सकों द्वारा, नियंत्रित वातावरण में और वैज्ञानिक प्रोटोकॉल के अनुसार ही किया जाना चाहिए। किसी साधारण ब्यूटी पार्लर या बिना लाइसेंस वाले क्लीनिक में ऐसे उपचार करवाना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सीडीएससीओ की यह चेतावनी विशेष रूप से एस्थेटिक, ब्यूटी और वेलनेस क्लीनिकों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार हाल के समय में कई शिकायतें मिली थीं कि कॉस्मेटिक उत्पादों का गलत तरीके से उपयोग किया जा रहा है। कई क्लीनिक इंजेक्शन आधारित प्रक्रियाओं को "कॉस्मेटिक थेरेपी" बताकर पेश कर रहे थे, जबकि वे कानूनी रूप से अनुमत नहीं थीं। शिकायतों में यह भी सामने आया कि कुछ संस्थान बिना वैज्ञानिक प्रमाण के चमत्कारी परिणामों का दावा कर रहे थे। इन्हीं घटनाओं के बाद सीडीएससीओ ने तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक चेतावनी जारी करने का सटीक निर्णय लिया। साथियों, सरकार ने आम जनता से भी सतर्क रहने की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि वे किसी भी ब्यूटी ट्रीटमेंट से पहले उसकी वैधता और चिकित्सकीय सुरक्षा की जांच अवश्य करें। यदि कहीं कॉस्मेटिक के नाम पर इंजेक्शन लगाए जा रहे हों,गलत इलाज किया जा रहा हो या भ्रामक विज्ञापन चलाए जा रहे हों, तो इसकी जानकारी तुरंत संबंधित प्राधिकरण को दें। सरकार का मानना है कि केवल प्रशासनिक कार्रवाई से ही इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं होगा, बल्कि जनता की जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है।आज सुंदरता और स्किन केयर आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। लोग बेहतर दिखना चाहते हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय अपनाते हैं। लेकिन सुंदरता की चाह यदि वैज्ञानिक समझ और सुरक्षा मानकों से दूर हो जाए, तो वह गंभीर स्वास्थ्य संकट में बदल सकती है। कई बार लोग सस्ते और त्वरित परिणामों के लालच में ऐसे उपचार चुन लेते हैं जो लंबे समय में नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि लोग किसी भी उपचार से पहले योग्य डॉक्टर की सलाह लें और केवल अधिकृत संस्थानों पर ही भरोसा करें।सरकार की यह कार्रवाई केवल कानून लागू करने का कदम नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ा बड़ा संदेश है। इससे यह स्पष्ट संकेत गया है कि भारत में ब्यूटी और वेलनेस इंडस्ट्री को अब अधिक जवाबदेह और वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप बनाना होगा। उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी व्यावसायिक लाभ के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। आने वाले समय में यह संभव है कि कॉस्मेटिक और एस्थेटिक उपचारों के लिए निगरानी और नियम और अधिक कठोर किए जाएं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह समझना आवश्यक है कि सुंदरता तभी सार्थक है जब वह स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ जुड़ी हो।चमकती त्वचा और आकर्षक व्यक्तित्व पाने की चाह स्वाभाविक है, लेकिन इसके लिए ऐसे रास्ते चुनना जो शरीर को नुकसान पहुंचाएं, बुद्धिमानी नहीं है। सीडीएससीओ की चेतावनी समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है कि "सेफ्टी फर्स्ट" का सिद्धांत सौंदर्य उद्योग पर भी समान रूप से लागू होता है। यदि लोग जागरूक रहें, नियमों का पालन हो और भ्रामक प्रचार पर सख्ती से रोक लगे, तो ब्यूटी इंडस्ट्री को अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार बनाया जा सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

बच्चों को सुविधाभोगी छुईमुई नहीं पराक्रमी बनाने की जरूरत

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया के सबसे ज्यादा बच्चे भारत में हैं लेकिन स्वास्थ्य के मामले में ये बच्चे काफी पिछड़ी हालत में हैं। देश के ज्यादातर शहरों के ज्यादातर पब्लिक स्कूलों में सुबह होने वाली प्रार्थना (प्रेयर असेंबली) अब स्थगित कर दी जाती है। कारण पता करने पर स्कूल प्रबंधन बताते हैं कि हर असेंबली में पांच छह से एक दर्जन से अधिक बच्चे प्रेयर के दौरान गश खाकर गिर जाते हैं। यह एक चिंता जनक तथ्य है और जिन्हें पहली बार पता चल रहा है वह अचरज कर सकते हैं लेकिन यह सच्चाई है। बच्चों खासकर शहरी बच्चों की शारीरिक सामर्थ्य बेहद कम हो रही है कुपोषण फास्टफूड पढ़ाई कोचिंग किताबों के बोझ से दबे बच्चे बचा समय मोबाइल में बिता रहे हैं और अपनी शारीरिक क्षमता को खो रहे हैं आउटडोर गेम से दूरी भी इस का एक बड़ा कारण है। ऐसे हालात में बच्चों को शारीरिक श्रम से जोड़ने की बेहद जरूरत है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाल का एक बयान बेशक कुछ एसी कमरों में बैठ कर बालविकास की योजना बनाने वाले अंग्रेजीदा लोगों को चुभ सकता है लेकिन मुख्यमंत्री का असली ईशारा भविष्य के लिए संघर्ष और संस्कार से तप कर निकली युवा पीढ़ी देने का है। विचार कीजिए क्या हम अपनी आने वाली नस्लों की रगों में भारतीयता की जगह आलस्य और सुविधाभोगी कल्चर दे रहे हैं? जरा सोचिए—हड्डियों को कमजोर करने वाली सुख-सुविधाएं, एयर-कंडीशनर कमरों में सुलगती सुकुमार पीढ़ी और स्क्रीन पर रेंगती हुई बेजान उंगलियां... आज का हिंदुस्तान अपनी संतानों को शिक्षा नहीं, बल्कि चुनौतियों से पीठ दिखाकर भागने का एक धीमा जहर परोस रहा है! हमारी रीढ़ की हड्डी को इतना लचीला बना दिया गया है कि वह जिंदगी के पहले ही थपेड़े में कड़कड़ाकर टूट जाए। लेकिन इसी सन्नाटे को चीरती हुई जब देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री पदासीन योगी का संबोधन गूंजता है, तो दिल्ली से लेकर लखनऊ तक का मखमली पाखंड भरभराकर ढह जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गरजते हैं कि—जो शिक्षक बच्चों को धूप में तपना, मिट्टी से जूझना और श्रमदान की आग में जलना सिखाते हैं, उन पर उंगली उठाने की जुर्रत मत करना; उन्हें सूली पर नहीं, सम्मान के सर्वोच्च शिखर पर बैठाओ!—तो यह महज़ कोई प्रशासनिक डांट नहीं है। यह सनातन भारत की छाती पर लगा एक ऐसा शॉक-ट्रीटमेंट है, जिसने सीधे हमारी सोई हुई रगों में खौलते खून को याद दिला दिया है। यह एक आधुनिक शासक की वह हुंकार है, जो इस देश के पाखंडी समाज और बिकाऊ कैमरे वालों को उनकी औकात बता रही है। इस दहाड़ के पीछे छिपे उस प्रचंड और आक्रामक आयाम को समझिए, जिसका सीधा नाता हमारे वेदों के वज्र और गुरुकुलों के रक्त-पसीने के इतिहास से है। आज की तथाकथित सॉफ्ट जनरेशन के मां-बाप बच्चे के हाथ में झाड़ू देखते ही छाती पीटने लगते हैं। कानून की धाराएं और बाल-अधिकारों के खोखले ढोंग लेकर थानों में कतारें लग जाती हैं। धिक्कार है ऐसी सोच पर! इतिहास गवाह है कि जिन बच्चों के हाथों में बचपन में छाले नहीं पड़ते, जवान होने पर उनके कंधों से राष्ट्र के बड़े दायित्व भी फिसल जाते हैं। जरा सनातन इतिहास के पन्नों को पलटिए और याद कीजिए महर्षि धौम्य के आश्रम के उस बालक आरुणि को। मूसलाधार बारिश हो रही थी, रात का घना अंधेरा था और कड़कती बिजली के बीच गुरु का एक आदेश आता है कि खेत की मेड़ टूट गई है, उसे बांधकर आओ। बालक आरुणि भागता हुआ खेत पर पहुंचता है, मिट्टी बह रही होती है। जब कोई उपाय नहीं सूझता, तो वह खुद उस ठंडे, बर्फीले पानी के बीच मेड़ की जगह लेट जाता है और पूरी रात अपनी छाती से पानी को रोके रखता है। सुबह जब गुरु उसे वहां जमा हुआ देखते हैं, तो उनकी आंखों से आंसू बह निकलते हैं। वह आरुणि को छाती से लगाकर कहते हैं कि आज से तुम केवल शिष्य नहीं, बल्कि अखंड ज्ञान के प्रतीक हो। क्या वह बाल-उत्पीड़न था? नहीं, वह निष्ठा और कठिन परिस्थितियों से लोहा लेने की वो पराकाष्ठा थी, जिसने एक साधारण बालक को उद्दालक जैसे महान ऋषि में बदल दिया।

विदेशी मंचों पर मुस्कान, देश के भीतर परेशान जनता!

सैयद इसरार हुसैन

» मोदी की 'Melody Diplomacy' और बढ़ते जनसवालों के बीच लोकतंत्र की असली चुनौती

इटली में चॉकलेट कूटनीति की तस्वीरें वायरल, लेकिन देश में महंगाई, बेरोजगारी और संघर्षों से जूझती जनता पूछ रही है — क्या आम आदमी की आवाज सत्ता तक पहुंच रही है?

भारत के प्रधानमंत्री Narendra Modi के हालिया पांच दिवसीय विदेश दौरे ने एक बार फिर देश की राजनीति और सोशल मीडिया में नई बहस को जन्म दे दिया है। दौरे के अंतिम चरण में Italy पहुंचकर वहां की प्रधानमंत्री Giorgia Meloni को "Melody" चॉकलेट भेंट करने की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुईं। सरकार समर्थकों ने इसे भारत और इटली के बीच मजबूत होते रिश्तों, व्यक्तिगत सौहार्द और कूटनीतिक गर्मजोशी का प्रतीक बताया, लेकिन दूसरी ओर लाखों लोगों ने इसे देश की मौजूदा परिस्थितियों के संदर्भ में देखा।

आज भारत का आम नागरिक जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल राजनीतिक नारों और अंतरराष्ट्रीय तस्वीरों से संतुष्ट नहीं है। महंगाई लगातार आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ा रही है। बेरोजगार युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं। किसान अपनी फसलों की लागत और उचित दाम को लेकर चिंतित हैं। छोटे व्यापारी आर्थिक दबाव और बढ़ते टैक्स के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मध्यम वर्ग अपनी बचत और भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहा है। ऐसे समय में जब जनता सरकार से राहत और ठोस समाधान की उम्मीद कर रही हो, तब विदेशों में मुस्कुराते हुए नेताओं की तस्वीरें कई लोगों के भीतर असंतोष और सवाल पैदा कर रही हैं।

'Melody Diplomacy' और सोशल मीडिया की राजनीति

इटली में "Melody" चॉकलेट भेंट करने की तस्वीर ने सोशल मीडिया पर मीम, व्यंग्य और राजनीतिक टिप्पणियों की बाढ़ ला दी। कुछ लोगों ने इसे एक सामान्य और दोस्ताना कूटनीतिक क्षण बताया, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों ने इसे जनता की परेशानियों से दूर सत्ता की छवि के रूप में देखा। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने लिखा कि "देश की जनता महंगाई से जूझ रही है और नेता विदेशों में चॉकलेट बांट रहे हैं।"

डिजिटल दौर में राजनीति अब केवल संसद या चुनावी मंचों तक सीमित नहीं रह गई है। आज ट्विटर (X), फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म जनता की भावनाओं का सबसे बड़ा मंच बन चुके हैं। यहां हर तस्वीर, हर बयान और हर यात्रा पर जनता तुरंत प्रतिक्रिया देती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री के इस दौरे को लेकर भी व्यापक बहस देखने को मिली।

क्या विदेश दौरे जरूरी नहीं हैं?

यह भी सच है कि किसी भी प्रधानमंत्री के विदेश दौरे केवल पर्यटन या औपचारिक मुलाकातें नहीं होते। वे देश की विदेश नीति, रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, निवेश और वैश्विक प्रभाव को मजबूत करने का हिस्सा होते हैं। भारत जैसे उभरते हुए वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहे देश के लिए दुनिया के बड़े देशों के साथ मजबूत संबंध बनाना आवश्यक माना जाता है।

विदेश यात्राओं के जरिए रक्षा सहयोग, नई तकनीक, विदेशी निवेश और व्यापारिक अवसर बढ़ते हैं। सरकार का तर्क है कि ऐसे दौरों से भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत होती है और इसका लाभ लंबे समय में देश की अर्थव्यवस्था और विकास को मिलता है।

लेकिन सवाल यह नहीं है कि विदेश दौरे जरूरी हैं या नहीं। सवाल यह है कि क्या देश के भीतर मौजूद समस्याओं को भी उतनी ही प्राथमिकता मिल रही है जितनी अंतरराष्ट्रीय छवि को? लोकतंत्र में जनता केवल वैश्विक लोकप्रियता नहीं देखती, बल्कि अपने जीवन में बदलाव महसूस करना चाहती है।

जनता क्यों नाराज दिखाई दे रही है?

आज का युवा वर्ग पहले की तुलना में ज्यादा जागरूक और मुखर हो चुका है। वह केवल भाषण और प्रचार नहीं, बल्कि परिणाम देखना चाहता है। उसे रोजगार चाहिए, आर्थिक सुरक्षा चाहिए, बेहतर शिक्षा चाहिए और ऐसा भविष्य चाहिए जिसमें संघर्ष कम और अवसर ज्यादा हों।

जब आम नागरिक खुद को लगातार आर्थिक दबाव में महसूस करता है, तब विदेश दौरों की भव्य तस्वीरें और बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम उसे अपनी वास्तविक समस्याओं से कटे हुए दिखाई देने लगते हैं। यही कारण है कि सोशल मीडिया पर विदेश यात्राओं को लेकर आलोचना और व्यंग्य तेजी से बढ़ते हैं।

कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जनता की यह प्रतिक्रिया केवल किसी एक तस्वीर या चॉकलेट भेंट करने तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक मानसिकता को दर्शाती है जिसमें आम नागरिक महसूस करता है कि उसकी रोजमर्रा की परेशानियां राजनीतिक प्राथमिकताओं में पीछे छूटती जा रही हैं।

लोकतंत्र में जनता का विश्वास सबसे बड़ी ताकत

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तालियां पाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र की असली ताकत जनता का भरोसा और उसकी संतुष्टि होती है। अगर जनता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

प्रधानमंत्री का इटली दौरा और "Melody Diplomacy" भले ही कूटनीतिक दृष्टि से सामान्य और सकारात्मक पहल मानी जाए, लेकिन इसने देश के भीतर मौजूद असंतोष, संघर्ष और जनभावनाओं को एक बार फिर सामने ला दिया है।

आज जनता का सबसे बड़ा सवाल यही है —

क्या सरकार की प्राथमिकताओं में आम आदमी की समस्याएं सबसे ऊपर हैं, या फिर वे केवल भाषणों, नारों और अंतरराष्ट्रीय तस्वीरों तक सीमित होकर रह गई हैं?

और शायद यही सवाल आज भारतीय लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन भी बन चुका है।

सुप्रीम आदेश से आवारा कुत्तों से मुक्ति की उम्मीद बढ़ी

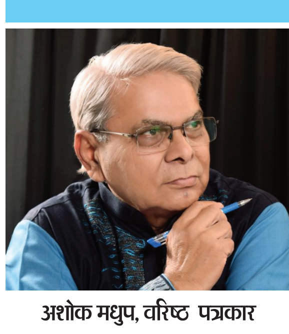

अशोक मधुप, वरिष्ठ पत्रकार

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कार्ट द्वारा अपने पुराने आदेश को बरकरार रखने से अब लगता है कि देश को आवारा कुत्तों के आंतक से मुक्ति मिल जाएगी। लोगों को रैबीज की जान लेवा बीमारी से छुटकारा मिल सकेगा। न्यायालय ने नेशनल हाईवे अथार्टी को भी कहा कि यह मार्ग पर इस तरह बाड़ और अवरोध बनाए कि आवारा पशु सड़क पर न जा सके। न्यायालय के नेशनल हाईवे अथार्टी को दिए आदेश से आशा बनी है कि आवारा पशुओं के टकराने से होने वाली दुर्घटनाएं कम होंगी। आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पुराने अपने पुराने आदेश को बरकरार रखा। कोर्ट ने 11 अगस्त के पिछले आदेशों में बदलाव करने का निर्देश देने की मांग करने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, सभी राज्य हर शहर में एनिमल सेंटर बनाएं। जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, कुत्तों के काटने की घटना लगातार जारी है और यह दिखाया है कि संबंधित अथॉरिटी की लापरवाही दिखती है। अदालत ने कहा, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों का यह दायित्व है कि लोगों के जीवन की रक्षा करें। राइट टू लाइफ की रक्षा करना राज्य और यूटी की जिम्मेदारी है। सर्वोच्च अदालत ने कहा, 'गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार सभी का अधिकार है। इसकी के तहत पब्लिक प्लेस में एक्सेस का अधिकार उनका है। बिना डर लोग कहीं जा सकें, ये उनका अधिकार है।' पीठ ने कहा, बच्चे और बुजुर्ग पर अटैक हो रहा है। कुत्तों द्वारा इंटरनेशनल ट्रैवलर को निशाना बनाया गया है। पीठ ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी करते हुए कहा, सभी राज्य व केंद्र शासित प्रदेश एनिमल बर्थ कंट्रोल लागू करें। राज्य तमाम सुविधाओं वाले यूटी एबीसी सेंटर हर जिले में स्थापित करें। कोर्ट ने कहा, वहां स्टेरलाइजेशन और वेक्सिनेशन प्रोग्राम वहां हो पाए। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने याचिकाकर्ताओं, प्रतिवादियों, पीड़ितों, कुत्तों के पक्ष में शामिल लोग, पशु कल्याण बोर्ड और भारत सरकार की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एएनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भ सुनी । इसमें सात नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ)के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, 'या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें।' शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलील पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है। न्यायालय ने 13 जनवरी को कहा था कि वह राज्यों से कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए भारी हर्जाना देने को कहेगी और ऐसे मामलों के लिए कुत्तों को खाना खिलाने वालों को जवाबदेह ठहराएगी। अदालत ने पिछले पांच वर्षों से आवारा पशुओं से संबंधित मानदंडों के लागू न होने पर भी चिंता जताई। अदालत ने कई मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा, "कुत्तों के काटने का ख़तरा अब हवाई अड्डों और रिहायशी इलाक़ों समेत महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों तक फैल चुका है।"अदालत ने कहा कि यह समस्या "बेहद व्यापक" रूप ले चुकी है और "ऐसी घटनाओं का लगातार दोहराया जाना" निर्देशों के पालन में कमी को दर्शाता है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जो अधिकारी इन आदेशों को लागू करने में विफल रहेंगे, उनके ख़िलाफ़ अवमानना और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा, "गरिमा के साथ जीने के अधिकार में यह अधिकार भी शामिल है कि व्यक्ति कुत्तों के हमलों के डर के बिना स्वतंत्र रूप से जीवन जी सके। राज्य मूक दर्शन बनकर नही रह सकता। अदालत भी उन कठोर ज़मीनी हक़ीक़तों से आँखें नहीं मूँद सकती, जहाँ बच्चे, विदेशी यात्री और बुज़ुर्ग कुत्तों के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं. संविधान ऐसे समाज की कल्पना नहीं करता, जहाँ बच्चों और बुज़ुर्गों का जीवन केवल शारीरिक ताक़त या क़िस्मत के भरोसे हो। इससे पहले नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की एक बेंच ने अपने एक आदेश में सभी राज्य सरकारों से कहा था कि वो आवारा कुत्तों और मवेशियों को हाईवे, सड़कों और एक्सप्रेस-वे से हटा दें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था, "इसका सख़्ती से पालन करना ज़रूरी है वरना अधिकारियों को व्यक्तिगत तौर पर ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा"। कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी निर्देश दिए थे कि अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक खेल परिसर, रेलवे स्टेशन जैसे सरकारी और निजी संस्थानों की पहचान कर उन्हें इस तरह घेर दें कि आवारा कुत्ते अंदर न आ सकें। कोर्ट ने यह भी कहा कि अधिकारियों को ऐसे परिसरों से मौजूद आवारा कुत्तों को हटाकर उनकी नसबंदी करानी होगी. इसके बाद उन्हें डॉग शेल्टर में भेजना होगा। कुछ वकीलों ने आदेश पर चिंता जताई थी और कोर्ट से इसे संशोधित करने के लिए सुनवाई की मांग की. हालाँकि बेंच से इसे ख़ारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की चिंता वास्तव में उचित है, क्योंकि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार, भारत में रेबीज के कारण हर साल लगभग 5,700 लोगों की जान जाती है | विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में रेबीज से होने वाली कुल मौतों का लगभग 36 प्रतिशत हिस्सा अकेले भारत से आता है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) और इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम (आईडीएसपी) की रिपोर्ट में हर साल कुत्ते के काटने के मामलों में भारी वृद्धि देखी जा रही है | पिछले वर्ष के दौरान भारत में कुत्ते के काटने के 37 लाख (37,15,713) से अधिक मामले दर्ज किए गए । रेबीज एक लगभग 100 प्रतिशत घातक बीमारी है। यानी लक्षण (सिंटम्स) दीखने के बाद इसे ठीक करना लगभग असंभव है | भारत में आवारा कुत्तों की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन चुकी है। भारत में साल 2024 में कुत्ते के काटने की 37,15,713 घटना रिपोर्ट की गई। राजधानी दिल्ली की बात की जाए तो यहां साल 2025 में केवल जनवरी के महीने में 3,196 (प्रतिदिन लगभग 103) कुत्ते के काटने के मामले सामने आए। 2024 में 25,210 (प्रतिदिन लगभग 69), 2023 में 17,874 (प्रतिदिन लगभग 49), 2022 में 6,691 (प्रतिदिन लगभग 18) ये वो मामले हैं जो रिपोर्ट किए गए हैं।

केकेआर ने मुंबई को 4 विकेट से हराया

प्लेऑफ की उम्मीदें रखी कायम

नई दिल्ली। केकेआर ने पहले शानदार गेंदबाजी और फिर दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ केकेआर ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बनाए रखा है जबकि मुंबई की इस टीम में ये 13वें मैच में ये 9वीं हार रही। मनीष पांडे को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 65वां मुकाबला ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जा रहा है। अजिंक्य रहाणे की अगुआई वाली केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए और केकेआर को जीत के लिए 148 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

रोहित शर्मा ने बनाए 15 रन– मुंबई के ओपनर रोहित शर्मा ने सिर्फ 15 रन की पारी खेली जबकि रयान रिकेल्टन ने 6 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। नमनधीर तो खाता तक नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए।

रहाणे ने खेली 21 रन की पारी

केकेआर के कप्तान व ओपनर रहाणे ने 21 रन की पारी खेली जबकि फिन एलन 8 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। कैमरन ग्रीन ने निराश किया और 8 गेंदों पर 4 रन की धीमी पारी खेली। मनीष पांडे ने 33 गेंदों पर 45 रन की शानदार पारी खेली और बुमराह की गेंद पर आउट हुए। रोवमेन पॉवेल ने 30 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली और आउट हुए। तेजस्वी दाहिया ने 11 रन बनाए और अपना विकेट गंवा दिया। रिंकू सिंह इस मैच में 9 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि अनुकूल रॉय 4 रन बनाकर नाबाद रहे।

वैभव सूर्यवंशी अब अभिषेक से आगे

रोहित शर्मा 4 नंबर पर

आईपीएल में 200+ चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 भारतीय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा ओपनर बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 64वें मैच में चेज करते हुए 93 रन की तूफानी पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। वैभव ने अपनी इस पारी के दौरान 10 बेहतरीन छक्के भी लगाए और वो अब आईपीएल इतिहास में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी निकले अभिषेक शर्मा से आगे– आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 10 छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अब अभिषेक को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब वैभव पहले नंबर पर आ गए। उन्होंने अब तक इस लीग में चेज करते हुए 10 पारियों में कुल 42 छक्के लगाए हैं जबकि अभिषेक शर्मा ने 17 पारियों में 41 छक्के लगाए थे।

दलीप ट्रॉफी से होगी BCCI के घरेलू सत्र की शुरुआत

11 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी का पहला चरण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2026-27 घरेलू सत्र के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। नए घरेलू सीजन की शुरुआत 23 अगस्त से दलीप ट्रॉफी के साथ होगी, जबकि देश की सबसे प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी इस बार भी दो चरणों में आयोजित की जाएगी। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से खेला जाएगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी समेत पूरे घरेलू सत्र का शेड्यूल भी सामने आ गया है। बीसीसीआई इस घरेलू सत्र में पुरुष और महिला वर्ग के अलग-अलग आयु समूहों और सीनियर स्तर पर कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा। इसमें पुरुषों के अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टूर्नामेंट शामिल हैं, जबकि महिलाओं के अंडर-15, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर स्तर की प्रतियोगिताएं भी खेली जाएंगी।

दलीप ट्रॉफी फिर जोनल फॉर्मेट में– दलीप ट्रॉफी की वापसी फिर जोनल फॉर्मेट में होगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक खेला जाएगा।

सभी मुकाबले बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित होंगे। इसके बाद रणजी ट्रॉफी विजेता जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच ईरानी कप एक से पांच अक्टूबर तक श्रीनगर में खेला जाएगा।

दो चरणों में रणजी ट्रॉफी-

बीसीसीआई के घरेलू कैलेंडर की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से पांच नवंबर तक खेला जाएगा। इस दौरान चार राउंड के मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट का दूसरा चरण 17 जनवरी से तीन मार्च 2027 तक आयोजित होगा। इसके बीच सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी खेली जाएंगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 14 नवंबर से छह दिसंबर तक खेली जाएगी। लीग चरण के मुकाबले मुंबई, मोहाली, विशाखापत्तनम और कोलकाता में होंगे, जबकि नॉकआउट मुकाबले नागपुर में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार, इस टूर्नामेंट का समय ऐसा रखा गया है ताकि आईपीएल नीलामी से पहले टैलेंट स्काउट खिलाड़ियों पर नजर बना पाएं और अपनी सूची तैयार कर सकें। आईपीएल नीलामी दिसंबर में होने की संभावना है।

दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी

राष्ट्रीय वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी 14 दिसंबर 2026 से आठ जनवरी 2027 तक खेली जाएगी। बीसीसीआई ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) के कार्यक्रम में भी बदलाव किया है। यह टूर्नामेंट नवंबर से जनवरी के बीच खेला जाएगा। बीसीसीआई का मानना है कि इससे खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी का समय मिलेगा। इसके साथ ही स्कूल क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को फरवरी-मार्च में होने वाली वार्षिक और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा। बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 2026-27 घरेलू सत्र का कार्यक्रम सभी प्रारूपों और आयु वर्गों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचे को आगे बढ़ाने की दिशा में तैयार किया गया है।

सोने-चांदी के रेट में गिरावट, 1.60 लाख से नीचे आया गोल्ड, सिल्वर 2.73 लाख के करीब

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी के दामों में गुरुवार को गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के भाव 206 रुपये गिरकर 1,59,800 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गए। वहीं, चांदी का भाव आज 1,350 रुपये लुढ़ककर 2,72,915 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 0.2 प्रतिशत गिरकर 4,534.69 डॉलर प्रति औंस पर रहा, जबकि स्पॉट सिल्वर 0.8 प्रतिशत टूटकर 75.40 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में कमी और दुनियाभर के शेयर बाजारों में उछाल के कारण सोने-चांदी पर दबाव बना। हालांकि, ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अब भी बना हुआ है। ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका के नए प्रस्ताव की जांच कर रहा है, जिसका उद्देश्य मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को समाप्त करना है।

ट्रंप के बयान का भी असर : सोने-चांदी के भाव पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान का भी असर है। उन्होंने संकेत दिया कि बातचीत एक समझौते और नए हमलों के बीच की कगार पर है। उन्होंने कहा, 'अगर हमें सही जवाब नहीं मिले, तो स्थिति बहुत तेजी से बदल सकती है। हम पूरी तरह तैयार हैं।' उनके अनुसार, कूटनीति की खिड़की जल्द बंद हो सकती है।

बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव ने भी बनाया दबाव : हालांकि बुधवार को अमेरिकी 10साल का बॉन्ड यील्ड 9.4 आधार अंक गिरकर 4.576 प्रतिशत पर आ गई थी, लेकिन गुरुवार सुबह इसमें हल्की बढ़त देखी गई और यह 4.584 प्रतिशत पर पहुंच गई। साथ ही, ब्रेंट क्रूड के दाम 0.8 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 106 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए। ये दोनों फैक्टर्स भी सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव डालने में कामयाब रहे।

फेडरल रिजर्व के संकेत और गोल्ड ईटीएफ में गिरावट : अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की अप्रैल बैठक के मिनट्स के अनुसार, अधिकांश नीति निर्माताओं का मानना है कि यदि मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी रहती है, तो नीति में और सख्ती की आवश्यकता हो सकती है। इसके अलावा, दुनिया के सबसे बड़े गोल्ड ईटीएफ, गोल्ड ट्रस्ट की होल्डिंग्स में मामूली कमी आई है। करेंसी के वाइस प्रेसिडेंट और रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी के अनुसार, सोने की कीमतें अमेरिका-ईरान के घटनाक्रम पर निर्भर करती रहेंगी। साथ ही, रुपये में लगातार कमजोरी से घरेलू बाजार में सोने को सपोर्ट मिल रहा है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहे। उनका कहना है कि जियो-पॉलिटिकल अनिश्चितता और कच्चे तेल की चाल बुलियन की धारणा को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक बने हुए हैं।

कंपनियां आपकी सैलरी काटकर सीधे एमएफ में कर सकेंगी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड में निवेश को आसान बनाने के लिए सेबी एक बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अब आपके म्यूचुअल फंड का पैसा सिर्फ आपके खाते से ही जाए, यह जरूरी नहीं होगा। नए प्रस्तावों के मुताबिक, कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए और निवेशक अपनी मर्जी से किसी सामाजिक कार्य के लिए पैसा दे सकेंगे। बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को कहा कि कुछ खास स्थितियों में म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए थर्ड पार्टी को भुगतान करने की अनुमति दी जा सकती है।

अभी के नियमों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए पैसा सीधे निवेशक के अपने बैंक खाते से ही आना चाहिए। यह पैसा सिर्फ आरबीआई से मान्यता प्राप्त पेमेंट गेटवे या सेबी द्वारा अधिकृत संस्थानों के जरिए ही भेजा जा सकता है। लेकिन सेबी अब कुछ ऐसी स्थितियां तय करना चाहता है जहां किसी और के खाते से भुगतान की अनुमति दी जा सके, बशर्ते इससे निवेशक की सुरक्षा और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कानूनों का उल्लंघन न हो।

क्या है सेबी का प्रस्तावः कोई कंपनी अपने कर्मचारियों की सैलरी से पैसे काटकर उनकी तरफ से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकती है। नए नियम से म्यूचुअल फंड कंपनियां सीधे सैलरी से होने वाले निवेश को स्वीकार कर सकेंगी।

एजेंटों को यूनिट्सः सेबी का दूसरा सुझाव यह है कि म्यूचुअल फंड कंपनियां अपने एजेंटों को उनके कमीशन के बदले नकद पैसे देने के बजाय म्यूचुअल फंड की यूनिट्स दे सकती हैं। इससे एजेंटों के लिए निवेश करना आसान होगा और वे लंबे समय के लिए बचत करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

समाज सेवा के लिए दानः सेबी ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि निवेशक अपने निवेश या मुनाफे का एक हिस्सा किसी सामाजिक कार्य के लिए दान कर सकें। इसके लिए एक पारदर्शी और सुरक्षित सिस्टम बनाया जाएगा। गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सेबी ने कई सुझाव दिए हैं। इसमें पैसा देने वाले और जिसे यूनिट्स मिल रही हैं, दोनों का अनिवार्य होगा। सेबी ने इन प्रस्तावों पर 10 जून तक जनता से सुझाव मांगे हैं। पैसे के लेन-देन का पूरा इलेक्ट्रॉनिक रेकॉर्ड रखना होगा।

बेटे की सताई फिक्र तो शुरू कर दिया अपना काम, सिर्फ 6 महीने में 25 लाख की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी हिमाचल प्रदेश की जयति गोयल की है। उन्होंने बहुत थोड़े समय में एक सफल ब्रांड खड़ा कर दिया है। इसकी नींव उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में रखी थी। इसका नाम 'हे टीन' है। यह टीनएजर्स के लिए फेस वॉश, लिप बाम, फेशियल स्क्रब, बॉडी लोशन जैसे स्किनकेयर प्रोडक्ट ऑफर करता है। ज्यादातर माता-पिता अपने बच्चों के लिए सही स्किनकेयर प्रोडक्ट न मिलने पर उपलब्ध विकल्पों से समझौता कर लेते हैं। लेकिन, जयति ने ऐसा नहीं किया। जब उनका बेटा प्री-टीन उम्र में पहुंचा तो उन्होंने बाजार में बच्चों और वयस्कों के उत्पादों के बीच एक बड़ा गैप देखा। जयति ने इस समस्या को हल करने का फैसला किया। वह सर्टिफाइड कॉस्मेटिक फॉर्मुलेटर हैं। बेटे की फिक्र से ही उनके ब्रांड का जन्म हुआ। अपनी लॉन्चिंग के छह महीनों के अंदर ही इसने लगभग 25 लाख रुपये का रेवेन्यू कमाया। आइए, यहां जयति गोयल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बिजनेस और कॉस्मेटिक साइंस का ज्ञान
जयति गोयल एक सर्टिफाइड कॉस्मेटिक फॉर्मुलेटर हैं। वह हिमाचल प्रदेश से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने ब्रिटेन के और भारत के जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से कॉस्मेटिक फॉर्मूलेशन, प्रोडक्ट सेफ्टी और डर्मेटोलॉजिकल कम्पैटिबिलिटी की पढ़ाई की है। बिजनेस स्ट्रैटजी, पोजिशनिंग और कंज्यूमर बिहेवियर को समझने के लिए उन्होंने एमबीए (फाइनेंस एंड मार्केटिंग) भी किया है।

ऐसे आया आइडियाः एक मां होने के नाते जब जयति का बेटा प्री-टीन उम्र में पहुंचा तो उन्हें उसके लिए सही स्किनकेयर प्रोडक्ट नहीं मिल रहे थे। बाजार में या तो छोटे बच्चों (3-10 साल) के उत्पाद थे या फिर बड़ों के केमिकल वाले प्रोडक्ट्स। इस समस्या को हल करने के लिए उन्होंने अक्टूबर 2025 में अपना ब्रांड लॉन्च किया। इस ब्रांड की सबसे बड़ी यूएसपी यह है कि जयति अपने प्रोडक्ट्स किसी बाहरी कंपनी से आउटसोर्स या री-ब्रांड नहीं करतीं। इसके बजाय अपनी ही लैब में खुद इन-हाउस रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग करती हैं।

इन प्रोडक्ट्स की पेशकश

जयति के ब्रांड का फोकस उन रोजमर्रा के जरूरी प्रोडक्ट्स पर है जो किशोर आसानी से इस्तेमाल कर सकें। ब्रांड खास तौर पर प्री-टीन्स और टीनएजर्स के लिए डिजाइन किए गए स्किनकेयर प्रोडक्ट्स पर फोकस करता है। यह फेस वॉश, लिप बाम, फेशियल स्क्रब, बॉडी लोशन, पिंपल पैच, लिप और चीक टिंट, स्किनकेयर कॉम्बो और शुरुआती लोगों के लिए आसान स्किनकेयर किट ऑफर करता है। जयति के नेतृत्व में ब्रांड ने बिना किसी बाहरी फंडिंग के हिमाचल प्रदेश के एक छोटे शहर से काम करते हुए सिर्फ 6 महीने में 25 लाख रुपये का रेवेन्यू हासिल किया।

जय भारत मारुति लिमिटेड के शेयरों में तेजी, 2 दिन में 35 प्रतिशत चढ़ गया शेयर का दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी के सपोर्ट वाली कंपनी जय भारत मारुति लिमिटेड के शेयरों में तेजी का तूफान देखने को मिल रहा है। जय भारत मारुति के शेयर गुरुवार को बीएसई में 17 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 122.17 रुपये पर पहुंच गए हैं। दो दिन में जय भारत मारुति के शेयरों में 35 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। पिछले 5 दिन में जय भारत मारुति लिमिटेड के शेयरों में 40 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा करीब 3 गुना बढ़ा है और इसी के बाद जय भारत मारुति के शेयरों में तेज उछाल आया है। जय भारत मारुति लिमिटेड, ऑटो कंपोनेंट्स और इक्विपमेंट बनाती है।

जय भारत मारुति लिमिटेड का कंसॉलिडेटेड मुनाफा 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में 287 पर्सेंट बढ़कर 79.59 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में जय भारत मारुति को 20.56 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। चौथी तिमाही में जय भारत मारुति लिमिटेड का रेवेन्यू सालाना आधार पर 25.44 पर्सेंट बढ़कर 766.01 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 610.65 करोड़ रुपये था। ऑपरेशनल लेवल पर कंपनी का इबिट्डा 57.53 पर्सेंट बढ़कर 91.90 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

जय भारत मारुति लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 31 मार्च 2026 को खत्म हुए वित्त वर्ष के लिए हर शेयर पर 0.70 रुपये का फाइनल डिविडेंड रिकमंड किया है। जय भारत मारुति के शेयर प्राइस ने बुलिश गैप-अप मूव के साथ एक मजबूत रेंज ब्रेकआउट कन्फर्म किया है। 50 दिन के एवरेज के मुकाबले कंपनी के शेयरों का वॉल्यूम 700 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ा है।

जय भारत मारुति लिमिटेड पर मारुति सुजुकी का बड़ा दांव है। मारुति सुजुकी, कंपनी के प्रमोटर ग्रुप में है। मार्च 2026 तिमाही के शेयरहोल्डिंग के मुताबिक, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के पास जय भारत मारुति के 3,17,00,000 शेयर हैं। कंपनी में मारुति सुजुकी की हिस्सेदारी 29.28 पर्सेंट है। जय भारत मारुति लिमिटेड प्राथमिक रूप से पैसेंजर व्हीकल्स के लिए ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स और एसेंबलीज की मैन्युफैक्चरिंग करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)